#HamarTiranga हमर तिरंगा

दैनिक **नवप्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

हर घर तिरंगा 75 Azadi Ka Amrit Mahotsav

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | अभिव्यक्ति 4 | छत्तीसगढ़ 6 | आंचलिक 7 | छत्तीसगढ़

RNI NO.CHHHIN/2015/62431 बिलासपुर, मंगलवार 9 अगस्त 2022, शुक्ल पक्ष द्वादशी, विक्रम संवत-2078 वर्ष-08 अंक-116 पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

मुंबई और बेंगलुरू से प्रशिक्षित
मनोरोग विशेषज्ञ
डॉ. सुचिता गोयल
MBBS, DNB, MNAMS

यदि आप या आपके संबंधी किसी भी प्रकार के मनोविकार से ग्रसित हो जैसे अनावश्यक चिंता, निराशा, घबराहट, बेचैनी, नींद की समस्याएं, नशे की लत, याददाश्त में कमी, अधिक गुस्सा और चिड़चिड़ाहट, एक ही प्रकार के कार्य या सोच बने रहना, बेवजह शक वहम करना, कानों में बेवजह आवाजें आना, मिर्गी के दौरे, आदि के लिये संपर्क करें-

HELLO MIND
Mental Health Care Clinic

महाराजा प्लाजा, शॉप नं. 11, भू-तल, नया धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.)
अपॉइंटमेंट हेतु - +8827294202 पर संपर्क करें।

#MLEG-Raipur, 9039812490

//-- सुविचार --//
यदि तुम सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने के आकांक्षी हो तो सबसे नीचे से चढ़ना शुरू करो।

आज बेबाक

महंगाई की अब खैर नहीं है। पहले प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने काले कपड़े पहन कर महंगाई के खिलाफ हल्ला बोला। अब राष्ट्रीय जनता दल ने भी बिहार में महंगाई के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी पता नहीं क्यों महंगाई के खिलाफ शंखनाद करने से कतरा रही है? इन्हे भी लगे हाथ बहती गंगा में हाथ धो लेना चाहिए। कयदे से तो विपक्ष को अपनी अपनी ढपली पर अपना अपना राग अलापने की जगह एक जूट होकर आंदोलन करना चाहिए।

एजेंसियों की मिलीभगत से ऐसे हो रहा है सरकारी धान का बंदरबाट

प्रमोद अग्रवाल

रायपुर/नवप्रदेश। शासन द्वारा राज्य में खरीदे जा रहे धान की कस्टम मिलिंग कराने में चल रहे भ्रष्टाचार के कारण मई-जून और उससे भी पहले राइस मिलर्स को आवंटित किए गए लगभग 10 लाख टन धान की मिलिंग नहीं हो पाई है। जबकि मिलिंग अवधि समाप्त होने में मात्र 40 दिन का समय रह गया है। ज्यादातर राइस मिलर्स शासन से मिला हुआ कस्टम मिलिंग का धान बेच चुके है और उनकी प्रत्याशा के विपरित खुले बाजार में धान समाप्त हो गया है जिसके कारण धान की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल आ गया है और राज्य में जो थोड़ा बहुत धान उपलब्ध है उसकी कीमतें लगभग 2100 रुपए क्विंटल तक पहुंच गई है। इसके कारण पूर्व में धान बेच चुके राइस मिलर्स शासन की कस्टम मिलिंग का चावल भारतीय खाद्य निगम में जमा नहीं कर पा रहे है। राज्य शासन की एजेंसी मार्कफेड द्वारा लगातार दिए जा रहे निर्देशों के विपरित चावल की आपूर्ति नहीं हो रही है। और राज्य शासन की खाद्य शाखा तथा जिला स्तर पर कलेक्टर राइस मिलर्स से साठगांठ करके कार्रवाई से बच रहे है। आज यदि राइस मिलरों का भौतिक सत्यापन कराया जाए तो राज्य की 70 प्रतिशत राइस मिलरों के पास राज्य शासन से आवंटित धान नहीं पाया जाएगा और यदि राज्य शासन उन्हें कोई अतिरिक्त छूट या सुविधा प्रदान न करें तो अमानत में खयानत कर रहे राइस मिलरों को 500 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है।

राज्य शासन पूरे देश में सबसे अधिक 25 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर प्रदान कर किसानों से धान खरीद रहा है। इसलिए इस वर्ष लगभग 94 लाख टन धान की खरीदी की गई थी। यह धान खराब न हो और समय से मिलिंग हो जाए इसलिए राइस मिलरों को प्रति क्विंटल मिलिंग की दर के अलावा प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की गई थी। राज्य शासन के प्रोत्साहन से राइस मिलर्स ने राज्य का पूरा धान मई-जून माह तक उठा लिया था। इस धान की कस्टम मिलिंग करके उसे 30 सितंबर तक भारतीय खाद्य निगम में जमा करना था।

सामान्यतः यह होता आया है कि राइस मिलर्स शासन द्वारा प्राप्त धान को खुले बाजार में बेच देते है और भारी मुनाफा कमाते हैं। इस धान की प्रतिपूर्ति राज्य में गर्मी की फसल से होने वाले धान से की जाती है। चूंकि गर्मी की फसल का धान शासन नहीं खरीदता है इसलिए वह खुले बाजार में कम कीमत पर मिल जाता है। दूसरी ओर राज्स से लगे बंगाल, बिहार और उड़ीसा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

रायपुर के बड़े बकायादार

राइस मिलर्स	मात्रा (टन में)
श्री जगन्नाथ राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड	525
श्याम राइस इंड्रस्टीज	1962
जेडी एग्रो इंड्रस्टीज	3791
आर के राइस टेक	1841
भोलामल गोकुल दास	2538
श्री कृष्णा फूड राइस	2908
राजेश्वरी राइस इंड्रस्टीज	1752
एसएसडी एग्रो टेक	3503
श्री तिरुपति राइस इंड्रस्टीज	4521

(इनमे से ज्यादातर ने 0 से लेकर 30% तक चावल दिया है)

दुर्ग जिले में प्रमुख बकायादार

राइस मिलर्स का नाम	मात्रा (टन में)
बजरंग एग्रोटेक	2933
बालाजी इंटरप्राइजेस	1072
गुरुदेव इंटरप्राइजेस	1854
जयश्री पैडीप्रोसेसर	1200
किशोर सारटेक्स	2326
कृष्णा ट्रेडिंग	803
मारुती एग्रो	841
गुरुदेव ट्रेडिंग कंपनी	1167
किशोर इंटरप्राइजेस	1677
ओम हरि कृष्ण	1283
एसके सारटेक्स	1128
हरदास राम इंड्रस्टीज	4484
श्याम राइसमिल	877
गोविंद राइसमिल	1782
गंगा पैडी	1006
हनुमंत राइस	1067

खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में एफसीआई में दिनांक 03.08.2022 को जमा चावल की जिलेवार जानकारी

क्र	जिला	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1	महासमुंद	15362	1577	1594	17
2	मुंगेली	1118	30	30	-1
3	कोरबा	378	8	0	-8
4	जशपुर	442	11	0	-11
5	कोंडागांव	338	12	0	-12
6	कोरिया	886	21	0	-21
7	बस्तर	929	26	0	-26
8	बालोद	33094	844	752	-92
9	गौरेला पेण्ड्रा मरवाही	4817	132	0	-132
10	बलरामपुर	6849	156	0	-156
11	सरगुजा	9077	209	0	-209
12	सूरजपुर	9756	243	0	-243
13	गरियाबंद	11452	313	29	-284
14	बलौदाबाजार	28591	753	464	-289
15	रायगढ़	40212	1037	711	-326
16	कांकेर	25393	633	290	-343
17	कवर्धा	27284	663	319	-344
18	धमतरी	[illegible]	[illegible]	792	[illegible]
19	बिलासपुर	36657	902	377	-526
20	राजनांदगांव	27158	763	232	-531
21	बेमेतरा	30455	754	203	-552
22	दुर्ग	74287	1851	1159	-692
23	जांजगीर चाम्पा	56238	1561	777	-784
24	रायपुर	62989	1640	839	-800
	योग	584051	15427	8557	-6870

राज्य में कस्टम मिलिंग की वर्तमान स्थिति और कलेक्टरों को कार्रवाई करने के भेजे गए निर्देश

महाराष्ट्र में आज मंत्रीमंडल का विस्तार

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार कैबिनेट विस्तार का इंतजार अब खत्म होने वाला है। भाजपा के एक सीनियर नेता ने दावा किया है कि मंगलवार को राज्य की सरकार का कैबिनेट विस्तार होगा। इस दौरान करीब एक दर्जन विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। सबसे अहम गृह मंत्रालय डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस के खाते में जा सकता है। पीटीआई से भाजपा के एक सीनियर नेता ने कहा, 'कैबिनेट का विस्तार कल मुंबई में होगा। मैं इस बारे में ज्यादा डिटेल नहीं दे सकता। यह भी नहीं बता सकता कि किसे इसमें जगह मिल जाएगी।'

बीते कुछ दिनों में देवेंद्र फड़णवीस और एकनाथ शिंदे ने कई बार दिल्ली का दौरा किया है। इस वीकेंड भी दोनों नेता दिल्ली में ही थे और सीएम एकनाथ शिंदे ने नीति आयोग की बैठक में भी हिस्सा लिया था।

बिहार में जल्द टूटेगा जेडीयू-बीजेपी गठबंधन!

- **2015 में भी नीतीश ने महागठबंधन के साथ बनाई थी सरकार**
- **2017 में वापस नीतीश ने की थी एनडीए में वापसी**

पटना (ए.)। बिहार में जारी सियासी उठापठक के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से फोन पर बात की है. सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई है. दरअसल, बीजेपी-जदयू के बीच लगातार राजनीतिक सबंध बिगड़ रहे हैं. ऐसे में माना जा रहा है कि जल्द ही बिहार में बीजेपी-जेडीयू का गठबंधन टूट सकता है और राज्य में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज विधायक दल की बुलाई बैठक

इस बीच, आरजेडी ने भी अपने विधायक और सांसदों को अगले तीन से चार दिन पटना में रहने का निर्देश दिया है. इसी क्रम में पार्टी ने आज विधायक दल की बैठक राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास पर बुलाई है. जबकि जदयू ने मंगलवार को पार्टी के सांसद, विधायक और एमएलसी की बैठक बुलाई है, जिसमें बड़ा फैसला हो सकता है. इसके अलावा जीतन राम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा ने भी पटना में विधायकों की बैठक बुलाई है.

सांसद सिब्बल को सुप्रीम कोर्ट से 'उम्मीद' नहीं

- **बयान पर बवाल, बार एसोसिएशन ने बताया अवमाननापूर्ण**

नई दिल्ली (ए.)। समाजवादी पार्टी से राज्यसभा पहुंचे सांसद और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट पर विवादित टिप्पणी देकर खुद घिर गए हैं। उन्होंने कहा था कि को सुप्रीम कोर्ट से कोई 'उम्मीद' नजर नहीं आती है। उनके इस बयान पर ऑल इंडिया बार एसोसिएशन की प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन ने पूर्व केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री कपिल सिब्बल के उस बयान को 'अवमाननापूर्ण' करार दिया है।

केंद्र सरकार के खिलाफ 'करो या मरो' आंदोलन बेहद जरूरी: राहुल

नयी दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अंग्रेजों के खिलाफ 'करो या मरो' जैसे आंदोलन की तरह मोदी सरकार के विरुद्ध भी आंदोलन करने की जरूरत है।

श्री गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ÷ इतिहास का वह पन्ना जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता- 'भारत छोड़ो' आंदोलन आठ अगस्त 1942 को बॉम्बे से शुरू हुए इस आंदोलन ने अंग्रेज़ों की नींद उड़ा दी थी। अगस्त की उस शाम को बॉम्बे के गोवालिया टैंक मैदान में लोगों का जुटना शुरू हुआ, गांधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया और बस हिंदुस्तान में अंग्रेज़ी हुकूमत का आख़िरी अध्याय शुरू हो गया।

राज्यसभा सदस्यों ने दी वेंकैया को विदाई पीएम मोदी बोले युवाओं के हैं मार्गदर्शक

- **उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का कार्यकाल बुधवार को होगा समाप्त**

नयी दिल्ली(वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू की कर्तव्य निष्ठा, लगन , मेहनत और कार्य के प्रति समर्पण देश, समाज और विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणादायी रहा है और उनके अनुभव का देश को आगे भी लाभ मिलता रहेगा।

राज्यसभा के सभापति के रूप में श्री नायडू का बुधवार को कार्यकाल समाप्त होने से पहले श्री मोदी ने सदन में उनके सम्मान में विदाई भाषण देते हुए कहा, यह बेहद भावुक पल है, कितने ही ऐतिहासिक पल सदन में आपकी उपस्थिति से जुड़े हैं।

राउत को राहत नहीं : 22 तक न्यायिक हिरासत बढ़ी

- **पात्रा चॉल मामले में ईडी ने किया है गिरफ्तार**

मुंबई (ए.)। शिवसेना सांसद संजय राउत को कोर्ट के सामने पेश किया गया। पात्रा चॉल जमीन मामले में कोर्ट ने उन्हें 22 अगस्त तक ईडी की न्यायिक हिरासत में भेजा। पात्रा चॉल मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच का सामना कर रहे राउत को बीते रविवार को गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने तीसरी बार उन्हें हिरासत में भेजा है।

गुरुवार को कोर्ट ने राउत की हिरासत को 8 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया था। साथ ही कोर्ट ने यह भी पाया था कि एजेंसी ने जांच में खासी 'प्रगति' की है। ईडी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउत की जांच कर रही है। शनिवार को उनकी पत्नी वर्षा भी पूछताछ के लिए जांच एजेंसी के सामने पेश हुई थीं। ईडी ने शनिवार को करीब 9 घंटों तक उनसे पूछताछ की थी।

ईडी ने बताया कि जांच के दौरान मिले दस्तावेज दिखाते हैं कि राउत की तरफ से अलीबाग में ख़रीदी गई संपत्तियों में नकदी का बड़ा लेनदेन भी शामिल था। जांच एजेंसी ने दावा किया है कि राउत की पत्नी के बैंक खाते में 1.08 करोड़ रुपये मिले हैं।

बीते रविवार को राउत को गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान जांच एजेंसी ने दावा किया था कि शिवसेना सांसद के आवास से 10 लाख रुपये से ज्यादा बरामद हुए थे। हालांकि, उनके भाई का कहना है कि पैसा पार्टी का था। राउत ने भी पहले दावा किया था कि पार्टी के सांसदों को ईडी की धमकी के चलते ही शिंदे की बगावत सफल हुई थी।

गरमा-गरम

यात्रा... सीएम भूपेश पाटन, टीएस अंबिकापुर में पदयात्रा की संभालेंगे जिम्मेदारी

आज से कांग्रेस हर जिले में 75 किमी निकालेगी गौरव यात्रा

रायपुर/नवप्रदेश। आजादी के 75 साल के मौके पर आज से कांग्रेस गौरव पदयात्रा निकाल रही है। इस पदयात्रा से लोगों को बताया जाएगा कि आजादी की लड़ाई में कांग्रेस का योगदान क्या था। इसके लिए आज से 15 अगस्त तक हर जिले में 75 किलोमीटर गौरव यात्रा निकाली जाएगी। इस पदयात्रा की जिम्मेदारी पार्टी ने पहले ही तय कर दी है। सीएम से लेकर विधायकों व जिलाध्यक्षों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने विधानसभा क्षेत्र पाटन में तो स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव अंबिकापुर और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष मोहन मरकाम कोंडागांव में जिम्मेदारी संभालेंगे। बता दें कि कुछ महीने पहले राजस्थान के उदयपुर में हुए नव संकल्प शिविर में यह तय हुआ था कि कांग्रेस पार्टी आजादी की 75वीं वर्षगांठ को उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इसी के चलते 9 अगस्त से 15 अगस्त तक हर जिले में 75 किलोमीटर आजादी की गौरव पदयात्रा के रूप में निकाली जाएगी। इसके माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन के बलिदान और भाव को आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

राज्य सरकार के योजनाओं की दी जाएगी जानकारी

वहीं इस यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं को राज्य सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई है। सभी जिला मुख्यालयों से निकाली जाने वाली इस पदयात्रा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के अलावा महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई के साथ ही सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी शामिल होंगे। इस दौरान वे दो अक्टूबर से देशभर में निकाली जाने वाली भारत जोड़ो यात्रा की जानकारी भी लोगों को देंगे।

13 से 15 अगस्त तक हर घर में पहुंचेगी बीजेपी

आजादी के 75 साल पूरे होने पर देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके लिए देशभर में कई तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। भाजपा और केन्द्र सरकार के सभी विभाग अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से महोत्सव मना रही। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशभर में 25 करोड़ घरों में तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा है। इस अभियान की सफलता के लिए झंडा पहराने के नियम बदले दिए गए हैं। दरअसल स्वतंत्रता दिवस से पहले 'हर घर तिरंगा अभियान' के लिए नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किये हैं। बदलाव के बाद अब दिन या रात कभी भी तिरंगा फहराया जा सकेगा। साथ ही अब पॉलिएस्टर और मशीन से बने राष्ट्रीय ध्वज का भी उपयोग किया जा सकता है।

विश्व आदिवासी दिवस : रायपुर में विशेष जनजातीय समूहों की सांस्कृतिक संध्या का रंगारंग आयोजन

■ **मंत्री डॉ प्रेमसाय टेकाम ने मांदर बजाकर कलाकारों का किया उत्साहवर्धन**

रायपुर/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में विशेष रूप से संरक्षित जनजातीय समूहों की पारंपरिक खेल मड़ई की सांस्कृतिक संध्या का आयोजन आज रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में हुआ। ऑडिटोरियम में संध्या 5 बजे से विशेष रूप से पिछड़ी जनजातीय समूह के सांस्कृतिक दलों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संसदीय सचिव द्वारकाधीश यादव ने की। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि सहित आदिम जाति कल्याण विभाग सचिव डीडी सिंह एवं आयुक्त शम्मी आबिदी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मंत्री डॉ प्रेमसाय टेकाम ने कार्यक्रम के दौरान मांदर बजाकर किया कलाकारों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जनजातियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल विकास, आजीविका तथा सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में राज्य सरकार द्वारा विशेष रुप से कमजोर जनजातीय समूह को 23 हजार 600 से अधिक व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र वितरित किए गए हैं, जिसका रकबा 18500 हेक्टेयर से अधिक है। सामुदायिक वन अधिकार के तहत 1700 से अधिक पट्टे जिसका रकबा एक लाख 14 हजार हेक्टेयर से अधिक है। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को आजीविका का साधन उपलब्ध कराने के लिए 100 से अधिक सामुदायिक वन संसाधन वन अधिकार पत्र दिए गए हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह के 9623 शिक्षित युवाओं को पात्रता अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्त करने की कार्यवाही की जा रही है। जनजातीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सरकार द्वारा जनजातियों के आस्था स्थल देवगुड़ियों के निर्माण, जीर्णोद्धार के लिए स्थल के लिए 5-5 लाख रूपए की मंजूरी दी जा रही है। इसके साथ ही जनजाति समुदाय में प्रचलित घोटुल प्रथा को संरक्षित रखने के लिए भी विशेष प्रयास किया जा रहा है। बीते साढ़े तीन वर्ष में 1889 देवगुड़ियों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के लिए 22 करोड़ 82 लाख स्वीकृत किए गए हैं। वर्ष 2022-23 में जिला नारायणपुर में स्थानीय जनजातियों के सांस्कृतिक संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए 94 घोटुल निर्माण हेतु 4 करोड़ 70 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे जनजाति संस्कृति के संरक्षण एवं प्रोत्साहन में मदद मिलेगी एवं आने वाली पीढ़ी भी अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक बनेगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष संरक्षित जनजातियों के 7 दलों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें जशपुर संभाग के पहाड़ी कोरवा द्वारा अगनई नाचे पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई जो पूस के महीने में धान कटाई के उपलक्ष्य में की जाती है। अबूझमाड़िया दल द्वारा गौर नृत्य, जो हरेली पर प्रकृति को धन्यवाद देने के लिए किया जाता है। गरियाबंद जिले के कलाकारों द्वारा कमार नृत्य, जो नवाखाई पर किया जाता है।

रायगढ़ जिले के कलाकारों द्वारा पेड़ा नृत्य, जो नवाखाई के अवसर पर किया जाता है। मुंगेली जिले से करमा बैगा नृत्य, जिसे बारह महीने किया जाता है। सरगुजा जिला करमा नृत्य द्वारा करमा त्यौहार के अवसर पर किया जाता है, कि प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अन्त में मंत्री डॉ. टेकाम ने सभी कलाकार दलों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्त्रि पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

राज्य में 13 लाख से अधिक घरेलू नल कनेक्शन दिए गए

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। अब तक राज्य में 13 लाख 25 हजार 880 घरेलू नल कनेक्शन लगाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के निर्देशन में राज्य के ग्रामीण अंचलों में संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। गौरतलब है कि जल जीवन मिशन संचालक टोपेश्वर वर्मा द्वारा समय-समय पर नल-जल योजनांतर्गत सोलर आधारित, रेट्रोफिटिंग, मल्टी विलेज और सिंगल विलेज योजनाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी जारी है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 614.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 614.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 7 अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1536.6 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 272.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 364.8 मिमी, बलरामपुर में 294.1 मिमी, जशपुर में 351.6 मिमी, कोरिया में 383.0 मिमी, रायपुर में 403.3 मिमी वर्षा दर्ज किया गया।

दो दिवसीय खेल मड़ई शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर दो दिवसीय पारंपरिक खेल मड़ई का आयोजन स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा रायपुर शुरू हुआ। इस खेल मडई में राज्य 17 जिलों के लगभग 700 प्रतिभागी हिस्सा ले रहें है। खेल मड़ई में विशेष रूप से संरक्षित जनजातियों की पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

विवेकानंद स्टेडियम कोटा में आयोजित किए जा रहे खेल मड़ई में फुगड़ी, गेड़ी, रस्साकसी, मटका दौड़ सहित अन्य पारंपरिक खेलों में विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस मड़ई में तीरंदाजी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। जनजातीय महोत्सव में स्कूली बच्चों के साथ ही युवाओं ने भी हिस्सा लिया। आदिम जाति तथा अनु जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य गठन के बाद संभवत: यह पहला अवसर है, जब विशेष रूप से संरक्षित जनजातियों के पारंपरिक खेल मड़ई का इतने व्यापक राज्य स्तर पर आयोजन किया जा रहा है।

इस खेल प्रतियोगिता में विभिन्न जनजातीय समुदायों द्वारा पारंपरिक रूप से खेले जाने वाले खेल जैसे तीरंदाजी, गुलेल, मटका दौड़, गिल्ली डंडा, गेड़ी दौड़, भौरा, फुगडी, बिल्लस रस्साखींच, सत्तुल, भारा दौड, बोरा दौड, सुई धागा दौड, मुदी लुकावन, तीन टंगड़ी दौड़ तथा नौकायन आदि का आयोजन किया जा रहा है। बालक एवं बालिकाओं हेतु दो वर्ग 14 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग तथा खुली प्रतियोगिता अंतर्गत 18 वर्ष एवं अधिक की महिला एवं पुरुष हेतु पारंपरिक रूप से खेले जाने वाली खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि जिला स्तर पर जनजातीय अभिकरण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विकासखण्डों से खेलवार विशेष संरक्षित जनजातीय समुदायों से एंट्री आमंत्रित कर विगत 22 से 28 जुलाई तक खेल प्रतियोगिता जिलों में आयोजित की गई थी। जिला स्तर से चयनित प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं।

त्वरित सीपीआर की मदद से एनआई रोगियों की बचाई जा सकती है जान

■ **एम्स में पहला एएचए सर्टिफाइड बीएलएस और एसीएलएस कोर्स**

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में रोगियों को हृदयाघात के तुरंत बाद दिए जाने वाले आकस्मिक उपचार बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और एडवांस्ड कार्डियोवस्कुलर लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) विषय पर अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन सर्टिफाइड कोर्स आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश के 33 चिकित्सकों और नर्सिंग ऑफिसर्स ने भाग लिया। इस अवसर पर विशेषज्ञों का कहना था कि यदि त्वरित सीपीआर प्रदान किया जाए तो हृदय रोगियों की जान को बचाया जा सकता है।

कोर्स का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कहा कि हृदय रोगियों को प्रदान किए जाने वाले उपचार में एएचए के सर्टिफाइड कोर्स दुनियाभर में अपनाए जा रहे हैं। इसकी मदद से सीपीआर और ईसीसी की गाइडलाइंस जारी की जाती हैं। जिनकी मदद से गंभीर रोगियों की जान बचाई जा सकती है। डीन (अकादमिक) प्रो. आलोक चंद्र अग्रवाल ने चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के लिए बीएलएस की ट्रेनिंग को महत्वपूर्ण बताया। कोर्स में प्रतिभागियों को हृदयाघात की स्थिति में अस्पताल के अंदर और बाहर रोगियों को दिए जाने वाले प्राथमिक उपचार की ट्रेनिंग दी गई।

विश्व आदिवासी दिवस: तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी आज से

■ **आदिवासियों की विविध एवं अदभुत संस्कृति की दिखेगी झलक**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय की विविध एवं अदभुत संस्कृति पर केंद्रित तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन रायपुर घडी चौक के पास स्थित कलावीथिका महंत घासीदास संग्रहालय में 9 से 11 अगस्त तक किया जा रहा है। फोटो प्रदर्शनी का शुभारम्भ 9 अगस्त को दोपहर 3 बजे से होगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ टेलीविजन कलाकार श्री सुधांशु पांडे, मुख्यमंत्री के विशेष सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा, छत्तीसगढ़ शासन के सलाहकार गौरव द्विवेदी, संचालक संस्कृति विवेक आचार्य, सी.एस.पी.डी.सीएल के एमडी उज्ज्वला बघेल, रिटायर्ड डी.जी.एम. सी. एस. पी.डी.सी.एल हरीश बघेल के द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ की जनजातीय जीवन के बारे में जन-जन तक जानकारी पहुंचाना है। साथ ही आदिवासियों की संस्कृति को मूलरूप में बचाये रखने और उसे संजोने में सहयोग देना है। इस विशेष आयोजन में शहर के जाने माने फोटोग्राफर जो विगत कई वर्षो से छत्तीसगढ़ के विभिन्न ट्राइबल एरिया में स्वरूचि से निरन्तर फोटोग्राफी के कार्य को कर रहे है, उनके फोटोग्राफ के माध्यम से जनसामान्य को इनके जीवन शैली से अवगत करा रहे है। जिनकी फोटो इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जाएगी।

रायपुर के फोटोग्राफर दीपेंद्र दीवान, अखिलेश भरोस एवं उनकी टीम के सदस्य इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपने फोटोग्राफ के माध्यम से सहयोग कर रहे है।

तमंचेबाजी और पुलिस पर शराब धंधेबाजों का हमला, यह है नवा छत्तीसगढ़ : विष्णुदेव

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने राजधानी में तमंचेबाजी और न्यायधानी के जैतपुरी इलाके में अवैध शराब के धंधेबाजों द्वारा पुलिस पर हमले की वारदात पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा है कि नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने का ढिंढोरा पीटने वालों ने यह कैसा नवा छत्तीसगढ़ गढ़ दिया कि राजधानी अपराधधानी और शांत प्रदेश अपराधगढ़ बन गया। पूरे राज्य में गंभीर वारदातों की बाढ़ आ गई है। जनता तो जनता पुलिस भी सुरक्षित नहीं है। मदिरा प्रोत्साहक सरकार में अवैध शराब का धंधा करने वाले सरकार की पुलिस का सिर फोड़ रहे हैं। सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण आंदोलन करने वालों पर लाठीचार्ज करने वाली पुलिस पर शराब का धंधा करने वाले लाठी और तलवार से हमला कर रहे हैं, कहीं पुलिस वाले शराब की तस्करी करते हैं तो कहीं कांग्रेस के नेता अपने मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ को शराबगढ़ बना रहे हैं। वाह, शराबबंदी के लिए गंगाजल हाथ में लेकर सरकार बनाने वालों का अद्भुत शराब राज आया है। सरकार दूसरे राज्य को भी मदिरा कारोबार के हुनर सिखा रही है। शराब के नशे में छत्तीसगढ़ में हत्या, बलात्कार के मामलों का सिलसिला चल रहा है और सरकार दिल्ली की धमाचौकड़ी में व्यस्त है। रसातल में पहुंच चुकी राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति से इस सरकार को कोई सरोकार नहीं है। रायपुर में तमंचेबाजी तो अब फैशन की तरह सामने आ रही है।

जिला आयुर्वेद अधिकारियों तथा आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के चिकित्सकों को दिया गया प्रशिक्षण

रायपुर। आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल और उन्हें समुचित स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने प्रदेश भर के जिला आयुर्वेद अधिकारियों तथा आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के चिकित्सकों को आयुर्वेद संचालनालय द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में आयोजित प्रशिक्षण में राज्य के चिन्हांकित 240 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के चिकित्सक भी शामिल हुए।

प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह के दौरान संचालक, आयुष श्री पी. दयानंद द्वारा सभी जिला आयुर्वेद अधिकारियों और चिकित्सकों को जनसामान्य में आयुष पद्धतियों की बढ़ती हुई महत्ता से अवगत कराते हुए, चिन्हांकित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में शीघ्र गतिविधियां प्रारंभ कर लोगों को अधिकाधिक सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने की अपेक्षा जताई।

सहायक संचालक डॉ. विजय साहू, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. मुकुंद अग्रवाल और एचएमआईएस प्रबंधक श्री टी. निवासन ने अधिकारियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया।

■ न्यूज गैलरी

अनुपयोगी सामग्रियों के लिए निविदा 22 अगस्त तक

बिलासपुर। जिला निर्वाचन कार्यालय बिलासपुर में निप्रयोज्य कागज पत्रों की बिक्री हेतु अधिकतम विक्रय दर का निर्धारण करने के लिए इच्छुक कागज क्रयकर्ताओं से मुहरबंद निविदा 22 अगस्त 2022 दोपहर 3 बजे तक आमंत्रित की गई है। विस्तृत जानकारी बिलासपुर जिले के वेबसाइट bilaspur.gov.in पर अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय बिलासपुर में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।

कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए लगी दण्डाधिकारियों की ड्यूटी

बिलासपुर। मोहर्रम एवं विश्व आदिवासी पर्व के दौरान शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने हेतु कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेश के अनुसार तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी अतुल वैष्णव की ड्यूटी थाना कोतवाली, अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी राजकुमार साहू की थाना सिविल लाईन, अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी ऋता सिंह की थाना कोनी, नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी श्वेता यादव की थाना तोरवा, नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी गुरूदत्त पंचभाये की थाना तारबाहर एवं सिरगिट्टी, नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी रोशन आहूजा की डयूटी थाना सरकंडा में लगाई गई है।

अब तक 658.7 मिमी बारिश दर्ज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में चालू खरीफ मौसम में अब तक 658.7 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है। जो कि पिछले 10 वर्ष के औसत बारिश 598.9 मि.मी. से 59.8 मि.मी. अधिक है। अधीक्षक भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार सबसे अधिक बारिश 825.7 मि.मी. बिलासपुर तहसील में और सबसे कम बारिश 446.4 मि.मी. रतनपुर में रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार बिल्हा तहसील में 613.5 मि.मी., मस्तूरी में 684.9 मि.मी., तखतपुर में 705.4 मि.मी., कोटा में 643.6 मि.मी., सीपत में 684.2 मि.मी., बोदरी में 714.3 मि.मी., बेलगहना में 611.1 मि.मी. बारिश रिकार्ड की गई है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1198.3 मि.मी. है।

सबमर्सिबल पंप चोरी, आरोपी पकड़ाया

पेंड्रा। पेंड्रा में पुलिस ने सबमर्सिबल पंप चोरी के आरोपित को पकड़ा। उसके पास से पंप बरामद कर लिया गया। उसके खिलाफ धारा 379 के तहत कर्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजेंद्र सिंह राठौर पिता ललन सिंह राठौर ने थाना पेंड्रा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसके घर के बाड़ी में लगे सबमर्सिबल पंप को कोई अज्ञात चोर चार अगस्त की रात को पार कर दिया। पुलिस रिपोर्ट पर अपराध कायम कर जांच में जुट गई। पुलिस अज्ञात चोर की पतासाजी की जा रही थी, ग्रामवासियों व मुखबिर सूचना पर बचरवार निवासी पंकज कोल पिता फूलचंद कोल (22)के कब्जे से चोरी की सबमर्सिबल पंप को बरामद कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

कर्मचारियों ने शासन के आदेश की प्रतियां जलाई

बिलासपुर। कर्मचारी- अधिकारी फेडरेशन जिला इकाई की बैठक कर्मचारी भवन ज्योतिपुर गौरेला में हुई। बैठक के बाद शासन के आदेश की प्रतियां जलाई गई। प्रांतीय निकाय के आह्वान पर 22 अगस्त से अनिश्चितकालीन आंदोलन को सफ्ल बनाने के लिए अपील की है। सचिव सचिन तिवारी एवं एमपी रौतेल ने बताया कि कर्मचारियों ने वेतन काटने के कर्मचारी विरोधी आदेश की प्रतियां जलाकर विरोध किया गया एवं महंगाई भत्ता एवं आवास भत्ता शीघ्र देने की मांग की गई है। जिलाध्यक्ष एवं तहसील, विकासखंड अध्यक्ष से अपील की गई कि अभी से व्यापक रूप से प्रचार प्रसार कर अनिश्चितकालीन आंदोलन का फार्म भराकर, कर्मचारियों को जागरूक करे एवं अनिश्चित कालीन आंदोलन को सफ ल बनाएं। पांच दिवसीय आंदोलन के समय गौरेला में गोवर्धन, प्रीतम कोशले, पेंड्रा में डा. एसपी सोनी, आकाश राय, आरपी अहिरवार, मरवाही में कमाल खान,आई पी चंद्रा की समिति बनाई गई थी। वे प्रचार प्रसार कर आवेदन का फार्म भरवाएगें। बैठक में सीएचएमओ द्वारा 11 दिनों का वेतन 15 अगस्त तक भुगतान कराने की मांग की गई है। इसी प्रकार से डीईओ एवं बीईओ मरवाही को पत्र देकर शिक्षकों को वर्ष 2022 का फार्म-16 एवं आयकर की राशि को तत्काल समायोजन कराने की मांग की गई। बैठक में डा. एसपी सोनी, कमाल खान, आकाश राय, आरपी अहिरवार, पीएन कौशिक, अक्षय नामदेव, प्रीतम कोसले, गजेंद्र रात्रे, जेम्मा लकड़ा, सावित्री सोनी, नंदा रेड्डी अन्य उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन की खरीदारी के लिए बाजार में उमड़ी भीड़

■ **चौक-चौराहों में जगह-जगह बन रहे जाम के हालत**

मुंगेली/नवप्रदेश। रक्षाबंधन को लेकर एक सप्ताह पहले से बाजार सजकर तैयार हो चुका है। राखियों पर भले ही महंगाई थोड़ी हावी है, लेकिन भाई-बहन के अटूट प्रेम के बीच जबरदस्त खरीदारी जारी है। बाजार में पांच रुपये से लेकर चांदी के 1000 रुपए तक की राखियां बिक रही हैं। सबसे ज्यादा मांग महादेवकट, तुलसी, रुद्राक्ष और तीन रंगों की रस्सी वाली तिरंगा राखियां के अलावा राखियों की भरमार है तथा रेशमी धागों की राखियां भी बाजार में उपलब्ध हैं। भाई बहनों का त्यौहार रक्षाबंधन को लेकर संशय की स्थिति बनी हुइ है। भद्रा के कारण 11 अगस्त गुरूवार को मनाया जायेगा या 12 अगस्त को। किन्तु भाई बहनों के त्यौहार रक्षाबंधन के लिये तैयारी की जा रही है, बहन अपने भाईयों के लिये राखी खरीद रही है। रक्षाबंधन पर्व के एक दिन पूर्व बाजार में जोरों की चहल-पहल रही। चौक-चौराहों एवं मेन रोड में राखी की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ रही। होटलों में विभिन्न प्रकार की मिठाईयों की बिक्री होते रही। सावन पूर्णिमा को सजेगी भाईयों की कलाईयां। राखी मनाने के लिए बसों में बहना एवं भाईयों का आना-जाना लगा रहा।

शहर के इन जगहों में लगा स्टॉल

शहर के मेन रोड, गोल बाजार, चौक-चौराहों सहित गांवों में भी कई स्थानों पर राखी का स्टॉल लगाया गया है। राखी की दुकानों में अमेरिकन डायमंड स्टोन, क्रिस्टल राखी, सहित बच्चों के लिए डोरेमोन, छोटा भीम, बैनटेन वाली राखियां सज गई है। दुकानदार ने बताया कि नग वाली राखी, रेशम, जेरी लाइट वाली राखी की पूछपरख ज्यादा है। राखियों की वेरायटी के साथ ही मिठाइयों का भी ट्रेंड चेंज होता जा रहा है। आज कल मिठाइयों की जगह चॉकलेट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

25 प्रतिशत तक बढ़ गए दाम

राखियों में भी महंगाई का असर दिख रहा है। साल 2021 के मुकाबले इस वर्ष 20 से 25 प्रतिशत तक राखियों के दाम बढ़ गए है। सामान्य राखी 20 रुपये और फैंसी राखी 50 से 250 रुपए के बीच मिल रही है। अपने भाइयों के लिए राखियां लेने पहुंच रही युवतियां और महिलाएं महंगाई की वजह से अपने खरीदारी में थोड़ा बजट का भी ख्याल रख रही हैं। बता दें कि भाइयों के लिए दिए जाने वाला रूमाल भी महंगा हो गया है।

फ्रेंडशिप बैंड बांधकर मनाया मित्रता दिवस, पार्कों में रही भारी भीड़

मुंगेली/नवप्रदेश। दोस्ती का पर्व फ्रेंडशिप युवाओं में खासा उत्साह रहा। दोस्तों के नाम रविवार को पार्टी एवं सेलिब्रेशन करते रहे। एक दूसरे के कलाई पर बेंड बांधकर बधाई देते रहे। वाट्सएप में भी बधाईयों का दौर चलता रहा। दोस्ती को मानने वालों के लिए फ्रेंडशिप डे का खास महत्व है। दोस्ती को सेलीब्रेट करने का पर्व फ्रेंडशिप डे रविवार 7 अगस्त को मनाया गया। फ्रें डशिप डे हर वर्ष अगस्त माह के पहले रविवार को मनाया जाता है। हर साल की तरह इस बार भी युवा इसे सेलिब्रेट करने युवा जोर-शोर से जुटे रहे। फ्रें डशिप डे पर दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर घूमने जाने पार्टी करने रेस्टोरेंट जाने की प्लानिंग की गई। शहर की अर्पिता, अंशिका ने बताया कि फ्रें डशिप डे पर जो फ्रें ड्स शहर में है उसके घर जाकर विश किया। संजय, विनोद व खुशाल ने बताया कि रविवार को दोस्तों के साथ पार्टी कर खुशियां मनाये। सुरेश एवं कोमल का कहना है कि फ्रैं डशिप डे दोस्ती निभाने का अवसर लेकर आता है इसलिए इस दिन दोस्तों को विश करना अच्छा लगता है। बाजार में वैसे तो कई तरह के फ्रें डशिप बैंड आए हैं। ब्रेसलेट ज्यादा पसंद किया जा रहा है। फ्रें डशिप डे मनाने वालों की बढ़ती तादाद को देखते हुए मार्केट चाट एवं आइसक्रीम की दुकान गुलजार रही। ज्यादातर स्कूल के छात्र-छात्राओ कॉलेज के युवाओं में फ्रैंडशिप डे के प्रति रुझान होने के कारण इस मौके पर दिए जाने वाले उपहार की कई वैराइटीज दुकानों में उपलब्ध रहे। अपने बेस्ट फ्रेंड की पसंद को ध्यान में रखकर खरीदी में युवा व्यस्त थे। युवाओं की भीड़ गुपचुप एवं चाट ठेलों के अलावा टाकिजों में भी नजर आयी। वाट्सएप पर भी सुबह से लेकर देर रात्रि तक एक दूसरे को बधाई एवं विश करते रहे।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 31 अक्टूबर तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के अल्पसंख्यक समुदायों (मुस्लिम, ईसाई, सिक्ख, बौद्ध, जैन एवं पारसी) के प्रतिभावान विद्यार्थी प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए ऑनलाईन आवेदन भारत सरकार अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली की वेबसाइट www.scholarship.gov.in में कर सकते है।

विद्यार्थियों द्वारा प्री-मैट्रिक अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाईन आवदेन करने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट-कम-मिन्स अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2022 तक है। संस्था द्वारा प्री-मैट्रिक अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन सत्यापन की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर, पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट-कम-मिन्स अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन सत्यापन की अंतिम तिथि 15 नवम्बर 2022 तक है।

नेशनल स्कालरशिप पोर्टल में संस्थाओं के वेरिफिक्रेशन की प्रकिया में परिवर्तन किया गया है। प्रत्येक संस्था द्वारा अपने लॉगिन के माध्यम से संस्था के अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी (संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारी) के आधार नंबर की प्रविष्टि की जानी है। उक्त प्रविष्टि को जिलाधिकारी द्वारा वेरिफाई किया जाएगा। इसके पश्चात ही उक्त संस्था द्वारा विद्यार्थियों की स्करूटनी की जाएगी। नोडल अधिकारी द्वारा प्रविष्ट किये गये आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर ही संस्था को विभिन्न प्रकियाओं हेतु ओटीपी प्राप्त होगा।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय अनुदान प्राप्त संस्थाओं को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त संस्थाओं के नोडल प्राचार्य, प्राचार्य, प्रधानाचार्य के संस्था में अध्ययनरत अल्पसंख्यक मुस्लिम, ईसाई, सिक्ख, बौद्ध, जैन एवं पारसी वर्ग के छात्र-छात्राएं जो छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है।

डीएफओ दफ्तर में महीनों से धूल खा रही जांच की फाइल

■ **वन भूमि में हेराफेरी, जांच की आंच की तपिश से बच गए आरोपी**

कोरबा/नवप्रदेश। वन भूमि को निजी बताकर बेचने के मामले में जांच की फाइल डीएफओ दफ्तर में धूल खा रही है। जमीन की अफरा-तफरी में शामिल गुरुजी पर अब तक आंच नहीं पहुंच सकी है। बता दें कि बालको के समीप बासिन खार में प्राथमिक शाला पदस्थ शिक्षक दुर्गा शंकर मिश्रा चुइय्या के समीप मोहनपुर जो मसाहती ग्राम हैं। वहां मोहनपुर के एक भोले भाले यादव को झांसे में लेकर 2.66 एकड़ जमीन कृषि भूमि को सस्ते दाम में खरीद लिया। उक्त जमीन का नंबर वन विभाग के रोड किनारे की जमीन पर राजस्व अमले से सांठगांठ कर नंबर सेट कराया लिया गया। अब चूंकि सड़क किनारे की जमीन है तो दाम वास्तविक मूल्य से छह गुना हो गया, फि र क्या था मिश्रा को मालामाल बनने का सपना दिखने लगा और हुआ भी। यही कौड़ी की जमीन को सोना बनाकर माल इकट्ठा कर लिया। जमीन अफरा-तफ री का खेल जब लोगों को समझ में आया तो इसकी शिकायत वन विभाग को कर दी। शिकायत को आधार मानकर तत्कालीन डीएफ ओ ने जांच के आदेश दिए। जांच अधिकारी ने जीपीएस सिस्टम से जांच किया तो पता चला जमीन तो वन विभाग की है। जांच अधिकारी द्वारा जांच प्रतिवेदन बनाकर रिपोर्ट को डीएफओ कोरबा को सौंपने की बात कही जा रही है। खबरीलाल की माने तो जांच में जो एविडेंस मिले है उससे गुरूजी पर कारवाई हो सकती है, लेकिन जांच हुए महीनों बीत गए और फाइल डीएफओ कार्यालय में धूल खा रही है। मतलब अब तक जांच की आंच गुरुजी तक नही पहुंच सकी है।

पोस्टिंग के बाद भी ड्यूटी से नदारत डॉक्टर, तनख्वाह ले रहे पूरी

बिलासपुर/नवप्रदेश। सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए पहुंच रहे मरीजों को उपचार नही मिल पा रहा है। यहाँ न तो डॉक्टर आते हैं और न तो अन्य स्टॉफ ऐसे में मजबूरन 80-90 किलोमीटर की सफर कर मजबूरन मरीजो को बिलासपुर सिम्स आना पड़ रहा। स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर स्टाफ की मनमानी का खुलासा सोमवार को सीएमएचओ के निरक्षण के दौरान हुआ। यहाँ स्त्री रोग विशेषज्ञ, आयुष चिकित्सा अधिकारी, फिजियोथेरेपिस्ट, एमएलटी सहित 9 स्टॉफ नदारद थे। जिस पर सीएमएचओ डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव ने सभी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि समुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से लगातार ऐसी शिकायत मिल रही कि यहाँ ज्यादतर कर्मचारी अनुपस्थिति रहते हैं। जबकि तनख्वाह पूरी ले रहे हैं लेकिन अब ऐसा नही होगा। जो कर्मचारी काम मे लापरवाही बरतेंगे उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। सीएमएचओ के निर्देश पर रतनपुर के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अविनाश सिंह ने 9 स्टाफ को नोटिस जारी किया है। यदि जानकारी संतोषजनक नही मिला तो इन कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

प्रत्येक माह गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना के तहत सभी ब्लॉक व सीएससी स्तर पर महिला डॉक्टरों की ड्यूटी लगा कर गर्भवती महिलाओं का जांच किया जाता है। कोटा ब्लॉक में सामुदायिक स्वास्थ्य रतनपुर के लिए खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा डॉक्टर नेहल झा की ड्यूटी लगाई गई थी डॉक्टर झा भी ड्यूटी से नदारद थी जिसके कारण गर्भवती महिलाओं को जांच कराने और स्वास्थ्य केंद्र में भटकना पड़ रहा था डॉक्टर झा सुबह 11 बजे ओपीडी में कुछ गर्भवती महिलाओं की जांच कर 1 बजे दोपहर ओपीडी छोड़ कर चली गई।

स्त्री रोग विशेषज्ञ की लगातार शिकायत

रतनपुर में पदस्त स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शीला साहा की लगातार शिकायत मरीज कर रहे हैं। वो आए दिन ओपीडी से नदारत रहती हैं। हफ्ते में एक या दो दिन ही ड्यूटी में आ रही हैं जिसके चलते यहां उपचार कराने आने वाले गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा मजबूरन उन्हें उपचार के लिए सिम्स या निजी अस्पताल के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

धूमधाम से मनाया जाएगा जन्माष्टमी

बिलासपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर नगर में सर्व यादव समाज तखतपुर की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें धूमधाम से पर्व को मनाने को लेकर जिम्मेदारी बांटी गई। प्रतिवर्ष की भांति सर्व यादव समाज तखतपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर ब्लाक कालोनी स्थित विश्वनाथ यादव के निवास में बैठक हुई। भगवान श्रीकृष्ण की छायाचित्र की पूजा अर्चना के बाद पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। 12 वर्ष से मनाए जाने की जानकारी देते हुए 20 अगस्त को पर्व बनाए जाने की बात कही गई। कार्यक्रम में समाज के दसवीं, बारहवीं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा वही समाज के वरिष्ठों का सम्मान के साथ-साथ विभिन्न् प्रकार के आयोजन होंगे। इस अवसर पर विश्वनाथ यादव ने कहा कि समाज में एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए कार्यक्रम जरूरी है। बैठक मेंअजय यादव ने कहा कि जन्माष्टमी में सर्वसमाज एवं यादव समाज को कार्यक्रम में सम्मिलित होने कि लए आग्रह किया है।

बैंक के सामने से बाइक पार, चोर गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। गौरेला में बैंक के सामने से बाइक चोरी के मामले में सीसीटीवी कैमरे को देखकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। चोरी के दूसरे ही दिन से मोटर साइकिल बरामद हो गया।

जानकारी के अनुसार दीपक शर्मा पिता उपेंद्र कुमार शर्मा (30) निवासी देवरगाव ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि पांच अगस्त को दो बजे दोपहर एचडीएफसी बैंक गौरेला में बाइक आपाचे क्रमांक सीजी 10 एएम3734 में अपने काम से आया था। बैंक के सामने बिना लाक खडी कर बैंक अंदर काम से चला गया था , बैंक का काम खत्म कर वापस आया तो नहीं था। पुलिस ने कैमरों के फुटेज आरोपित की पहचान थाड़पथरा निवासी ऋषभ यादव पिता विष्णु यादव (18) के रूप में होने पर आरोपित को गिरफ्तार कर बाइक बरामद कर एवं रिमांड पर भेज दिया गया।

हर्षोल्लास के साथ महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव

मुंगेली/नवप्रदेश। देवांगन पचकौड़ परिवार के महिलाओं के द्वारा रविवार को सावन उत्सव श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में मनाया गया। सर्वप्रथम भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात महिलाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता को आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से लंगड़ी दौड, सावन सुंदरी, सावन समूह खेल में प्रथम पुरस्कार लंगड़ी दौड़ में बबली देवांगन को दिया गया। सावन सुंदरी का प्रथम पुरस्कार पुष्पलता देवांगन को दिया गया। सावन खेल में प्रथम पुरस्कार संतोषी देवांगन को दिया जाकर सावन उत्सव कार्यक्रम का शोभा बढ़ाया। इस सावन उत्सव को सफ ल बनाने में हेमरिया पुष्पलता, रजनी, सत्यवती, संतोषी, गीतारानी, रूपा, नेहा, ललिता, उर्मिला, पूनम, बबली, प्रभा आदि ने सहयोग दिया।

राइट-वे फाउंडेशन के शिविर में 51 युवाओं ने किया रक्तदान

बिलासपुर। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बिलासपुर में शनिवार को आयोजित मेगा ब्लड डोनेशन कैंप के प्रति युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। रक्तदान शिविर में 51 युवाओं ने रक्तदान कर सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया। शिविर सामाजिक संस्था राइट-वे फाउंडेशन व ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल संस्था द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया था। राइट-वे फाउंडेशन के अध्यक्ष विवेक शर्मा ने कहा कि कोविड महामारी के काल में खून की कमी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आई है। इसे देखते हुए नौजवानों ने मेगा ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान गोपाल दुबे, दुर्गेश प्रताप सिंह, सूरज दीक्षित, सोनू साधवानी, अंशु ओझा, हीरा यादव, अभिषेक पांडेय, साहिल मौर्य, जितेंद्र बरगाह, विजय मिश्रा, संजय देवांगन, प्रकाश गुप्ता दीप श्री तिवारी, श्रुति देशपांडे समेत 112 लोगों ने पंजीकरण कराया। इसमें से 51 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य रूप से बिलासपुर के विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सक्रिय युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। युवाओं को मोटिवेट करने कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डीएसपी संजय साहू, स्कूल के चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, वरिष्ठ चिकित्सक रजनीश पांडेय शामिल हुए।

फ्रेंडशिप-डे में लगाया पौधा, मित्र की तरह देखभाल का लिया संकल्प

मुंगेली/नवप्रदेश। युवाओं की टोली स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी ने मित्रता दिवस को यादगार बनाने के लिए नीम, कदम, गुलमोहर, जामुन आदि के 10 पौधों का रोपण कर उन्हें ही फ्रें डशिप बैल्ट बांध मित्रता दिवस मनाया। इन युवाओं की टीम अपने शहर और आस-पास के हरियाली के संरक्षण और संवर्धन की जिमेदारी बखूबी निभाते हुए पर्यावरण संतुलन के लिए विगत पांच छः वर्षो से पौधरोपण करते आ रही है।

इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य सतपाल मक्कड़ और दिनेश गोयल ने कहा कि वृक्ष हमारे पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के साथ मित्र भी है। आशीष सोनी व पप्पू शर्मा ने कहा कि भारत जैसे प्रकृति पूजक देश में पर्यावरण पर गंभीर संकट खड़े हैं और इससे निपटने में पौधारोपण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर संस्था के संयोजक रामपाल सिंह, सहसंयोजक रामशरण यादव, अध्यक्ष महावीर सिंह, सचिव विनोद यादव, सतपाल मक्कड़, दिनेश गोयल, गोकुलेश सिंह, दीपक जैन, राहुल कुर्रे, अनीश जैन, सूरज मंगलानी, गिरीश सुथार, विकास जैन, हरिओम सिंह, राहुल साहु, आशिष सिंह, नागेश साहू, राहुल मल्लाह, श्रेयांश बैद, चित्रकांत सिंह, पवन यादव, सुनील वाधवानी, सुरेश यादव, रवि साहू, संतोष जांगड़े, श्रीनाथ तिवारी, अजय चंद्राकर सहित पर्यावरण प्रेमी और संस्था के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

बिहार में सियासी भूचाल

बिहार के मुख्यमंत्री नितिश कुमार लगता है कि अब जल्द ही फिर पाला बदलने जा रहे है। भाजपा के साथ गठबंधन सरकार चला रहे नितिश कुमार एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठजोड़ करने की कवायद कर रहे है। जिससे बिहार की राजनीति में भूचाल आना स्वाभाविक है। गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री नितिश कुमार और भाजपा नेताओं के बीच मतभेद अब मनभेद के रूप में तब्दील होने लगे है। इसकी एक बड़ी वजह आरसीपी सिंह है जो बिहार सरकार में और जनता दल यूनाईटेड में नंबर दो ही हैसियत रखते थे यहां तक कि उन्हे नितिश कुमार ने जदयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बना दिया था। किन्तु आरसीपी सिंह ने आपसी मतभेदों के चलते उनसे किनारा कर लिया। दरअसल आरसीपी सिंह केन्द्रीय मंत्रीमण्डल में शामिल थे लेकिन इस बार उन्हे नितिश कुमार ने राज्यसभा के लिए नहीं भेजा था जिससे वे और नाराज हो गए। आरसीपी सिंह जदयू के वरिष्ठ नेता रहे है और उनकी जदयू में अच्छी खासी पकड़ है। जदयू के अनेक विधायक उनके कट्टर समर्थक है। ऐसी स्थिति में यदि नितिश कुमार भाजपा को तलाक देकर राजद के साथ गठजोड़ करते है तो आरसीपी सिंह जदयू में दो फाड़ कर सकते है और बिहार में महाराष्ट्र दोहराया जा सकता है। कुल मिलाकर बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदलने जा रहे है। नितिश कुमार ने अपने विधायक दल की बैठक भी आहूत की है जिसमें वे कोई बड़ा फैसला कर सकते है, किन्तु इधर केन्द्र के बुलावे पर बिहार के राज्यपाल नई दिल्ली पहुंच गए है जहां से वे कब वापस पटना लौटेंगे यह पता नहीं है। ऐसी स्थित में नितिश कमार को अपना कार्यक्रम कुछ दिनों के लिए स्थगित करना पड़ेगा क्योंकि यदि वे भाजपा के मंत्रियों को बर्खास्त करना चाहे या खुद इस्तीफा देना चाहे तो भी वे राज्यपाल की अनुपस्थिति में ऐसा कुछ नहीं कर पाएंगे और इस बीच भाजपा को बिहार में खेल करने का अवसर मिल जाएगा। दरअसल नितिश कुमार की इच्छा यह थी कि उन्हे भाजपा राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाएं ताकि वे देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचने की अपनी हसरत पूरी कर सके क्योंकि प्रधानमंत्री बनना तो अब उनके बूते की बात नहीं रह गई है। लेकिन भाजपा ने उन्हे राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं बनाया जिससे वे अब अपनी अलग राह चुनने के लिए तैयार हो गए है। वैसे भी नितिश कुमार इतनी बार पाला बदल चुके है कि उनकी विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है। देखना होगा कि अब वे क्या कदम उठाते है।

आदिवासी विकास की गढ़नी होगी नई परिभाषा

डॉ. संजय शुक्ला

शिक्षा और सोशल मीडिया की ताकत से लबरेज़ आदिवासियों की नयी पीढ़ी अब अपने अधिकारों,अस्तित्व और अस्मिता की रक्षा के लिये संगठित और मुखर होने लगे हैं। बीते दशक में आदिवासी युवाओं के अनेक संगठन भी बने हैं लेकिन इन संगठनों से अपेक्षा है कि वे किसी राजनीतिक चूल्हे की जलाऊ लकड़ी बनने की जगह खुद बदलाव का ध्वजवाहक बनें। युवा अपने समाज में व्याप्त अशिक्षा, अंधविश्वास और कुरूतियों के खात्मे का बीड़ा उठाएं।आदिवासी युवाओं को नक्सली और चरमपंथी संगठनों के दुष्प्रचार और उकसावे से भी सावधान रहना होगा क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी समस्या या मुद्दे का हल बुलेट नहीं बल्कि बैलेट है। बहरहाल सरकार और समाज को आदिवासियों और आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिये थ्री-डी यानि डेमोक्रेसी, डिफेंस, डेवलपमेंट फार्मूले को लागू करने की जरूरत है। सरकार को विकास योजनाएं लागू करने के पहले आदिवासियों को भरोसे में लेना होगा।

दुनिया भर में हर साल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस या विश्व मूलनिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता है।आदिवासी समाज वास्तव में एक ऐसा समुदाय है जो आधुनिक विकास की तेज बयार के बावजूद आज भी अपनी सदियों पुरानी सभ्यता, संस्कृति, रीति-रिवाज, लोककला, भाषा, धार्मिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। जंगल आज भी आदिवासियों के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं लेकिन आधुनिक विकास की भूख आदिवासियों के सदियों की थाती रही इसी जंगल को उजाड़ने के लिए बेताब है। आदिवासी जिन इलाकों में निवास करते हैं वहाँ देश की 90 फीसदी खनिज संपदा, 71 फीसदी जंगल और 70 फीसदी जलस्रोत हैं।

विडंबना है अमीर धरती के सदियों से रक्षक रहे आदिवासी गरीबी और आभाव में गुजर-बसर करने के लिए विवश हैं। हालांकि देश की सरकारों ने आदिवासियों के जीवन स्तर में सुधार और उनके मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए आरक्षण सहित अनेक कल्याण योजनाएं और कानून लागू किए गए हैं जिसका परिणाम भी सामने आया है लेकिन अभी भी जनजातियों की बड़ी आबादी विकास के कैनवास पर हाशिए पर हैं। दुर्गम इलाकों के आदिवासी अभी भी अशांति, गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण, आर्थिक शोषण, जबरिया भूमि अधिग्रहण, विस्थापन और मानवाधिकारों के उत्पीड़न से जूझ रहा है। दरअसल आदिवासियों के आर्थिक व सामाजिक विकास में सबसे बड़े बाधक इन क्षेत्रों में जारी नक्सलवाद की समस्या, इस समस्या के प्रति दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी, अशिक्षा, अंधविश्वास, मद्यपान जैसी कुरूतियां,आदिवासी नेतृत्व की उदासीनता और भौगोलिक स्थितियां हैं।

बीते दशकों पर नजर डालें तो छत्तीसगढ़ सहित नक्सलवाद पीड़ित अनेक राज्यों के आदिवासी माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच दो पाटों में पिस रहे हैं। छल-प्रपंच से दूर उन्मुक्त और सरल जीवनशैली पसंद आदिवासियों को जहाँ माओवादी पुलिसिया मुखबिर बताकर कथित जनअदालतों में उनका कत्लेआम कर रही है तो दूसरी ओर पुलिस और सुरक्षाबल इन निरीह लोगों को संघम, जनमिलिशिया सदस्य या नक्सली करार देकर उनका मुठभेड़ कर रही है या जेलों में ठूंस रही है। नक्सलियों और सुरक्षा बलों के दमन से मजबूर होकर लगभग 60 हजार आदिवासियों को पड़ोसी राज्यों में पलायन के लिए बेबस होना पड़ा है। आदिवासी अपने अस्तित्व रक्षा के लिए अनेक मोर्चों पर संघर्षरत हैं, आधुनिक विकास की भूख सदियों पुरानी उनकी थाती रही जंगलों को उजाड़ने के लिए बेताब है फलस्वरूप आदिवासी संस्कृति और कला भी क्षरण के दौर से गुजर रहा है। औद्योगिक विकास की सनक के चलते कार्पोरेट और ठेकेदारों का गठजोड़ जंगलों,पहाड़ों और नदियों को कौड़ियों के मोल खरीदने के लिए आमादा हैं।

दरअसल आदिवासी प्रकृति से साथ हो रहे निर्ममता से उद्वेलित हैं फलस्वरूप सरकार और आदिवासियों के बीच टकराव बढ़ रहा है। विडंबना है कि विनाश के बलबूते विकास का सपना देखने वाली सरकारें आदिवासियों के मूक आक्रोश को समझने में नाकाम हैं। आदिवासी केवल अशांति और आभाव से ही नहीं जूझ रहे हैं बल्कि उनके शिल्प और कलाकृतियों को औने पौने दाम खरीद कर बिचौलिए और व्यापारी मोटी रकम वसूल रहे हैं। अंदरुनी आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं लगभग कागजों में हैं तो नक्सली इन इलाकों के स्कूलों और पुल-पुलिया को बारूद से ध्वस्त कर रहे हैं। नक्सली आदिवासियों के लोकतांत्रिक अधिकारों में भी बाधक बने हुए हैं, चुनावों के बहिष्कार का फरमान और जनप्रतिनिधियों की निर्मम हत्या ने माओवादियों के आदिवासी हितैषी होने के दावे को बेनकाब कर दिया है। बहरहाल नक्सली फरमान और हिंसा के बावजूद आदिवासी अब चुनावी प्रक्रिया और मतदान में निर्भिक होकर हिस्सा ले रहे हैं यह लोकतंत्र के लिए सुखद संकेत है।

आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण जनस्वास्थ्य की सबसे बड़ी समस्या है तो साफ पेयजल के आभाव में जलजनित रोग अब भी आदिवासियों की जान ले रहा है।इन इलाकों में गरीबी, अज्ञानता,अशिक्षा अथवा प्रलोभन के कारण होने वाला धर्मांतरण भी चिंतनीय है। दशकों से जारी नक्सली हिंसा, महंगाई और नयी पीढ़ी की अरूचि के कारण अब वनांचलों में मांदर की थाप पर पारंपरिक नाच-गाने की बयार अब थमने लगी है।समाजशास्त्रियों के मुताबिक जो जनजातियां नाचती-गाती नहीं है उनकी संस्कृति मर जातीं है, बेशक यह विचारणीय मुद्दा है। बहरहाल अब आदिवासी अशांति और पिछड़ेपन के दंश से अजीज आ चुके हैं और नई सुबह की तलाश में हैं। इतिहास गवाह है किसी सामाजिक व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव केवल युवा ही ला सकते हैं बशर्ते यह बदलाव रचनात्मक और जनतांत्रिक होना चाहिये। लिहाजा अब आदिवासियों की नयी पीढ़ी पर निर्भर है कि वह अपने समाज के सर्वांगीण विकास की दशा और दिशा कैसे तय करता है?

विचार

मुफ्त रेवड़ियों पर लगाम की कवायद

रेवड़ियां बांटने का मामला गंभीर हो गया है। खासकर राजनीतिक लाभ के लिए रेवड़ी बांटने या चुनाव जीतने के लिए लुभावने वादे करने पर सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल पहले भी थे, पर अब सुप्रीम कोर्ट ने बाकायदा इस पर विचार के लिए विशेषज्ञ समूह बनाने का एलान कर दिया है। समूह में चुनाव आयोग, नीति आयोग, वित्त आयोग, रिजर्व बैंक और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इन विशेषज्ञों को यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी कि राजनीतिक दल चुनाव से पहले मुफ्त बांटने के जो वादे करते हैं, उनके लागू होने का करदाताओं व अर्थव्यवस्था पर क्या असर होता है? इसका अध्ययन करें और इन पर नियंत्रण रखने के तरीके सुझाएं।

आजादी के 75 साल बाद यह बात सामने आना गंभीर भी है और चिंताजनक भी, पर साथ ही इससे उम्मीद भी जगती है। उम्मीद यह कि सुप्रीम कोर्ट एक समाज के तौर पर हम सबको जगाने में कामयाब होगा या कम से कम उसकी शुरुआत कर पाएगा, दरअसल जो सवाल इस विशेषज्ञ समूह के सामने रखे गए हैं, उन पर पूरे देश को सोचना चाहिए और उसका जवाब भी किसी ऐसे समूह, अदालत या आयोग के बजाय समाज के बीच से ही आना चाहिए। वरिष्ठ अर्थशास्त्री व बिजनेस स्टैंडर्ड के संपादक ए के भट्टाचार्य का मानना है कि इस विषय पर सिद्धांत रूप में चर्चा और विमर्श बहुत जरूरी है। सबसे पहले यह तय होना जरूरी है कि फ्रीबीज या रेवड़ियां क्या हैं, मुफ्तखोरी की परिभाषा क्या है, सुप्रीम कोर्ट ने भी अभी तक यह परिभाषा तय नहीं की है। क्या समाज के गरीब वर्ग को मुफ्त भोजन देना रेवड़ी बांटना कहलाएगा? क्या उज्ज्वला योजना में मिले रसोई गैस के सिलेंडर रेवड़ी कहला सकते हैं? ऐसे तमाम उदाहरण हैं। आजादी के समय भारत की आबादी करीब 34 करोड़ थी। इनमें से अस्सी प्रतिशत लोगों की जिंदगी खेती के भरोसे चलती थी, पर देश में कुल साठ लाख टन गेहूं पैदा हो पाता था। अब पंजाब, मध्य प्रदेश और हरियाणा ही मिलकर इससे पांच गुना गेहूं सरकारी खरीद में देते हैं। अगर आजादी के फौरन बाद सरकार ने सिंचाई पर खर्च बढ़ाकर किसानों को सहारा न दिया होता, तो यह नहीं हो सकता था।

वह भी एक समय था, जब 1 मई, 1951 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को रेडियो पर जनता से अपील करनी पड़ी थी कि हफ्ते में एक दिन उपवास रखें और अनाज बचाएं। आजादी से पहले ही भारत में राशन और कंट्रोल की व्यवस्था लागू हो चुकी थी और यह काम शुरू करने वाले अंग्रेज अफसर का दावा था कि राशनिंग और कंट्रोल भारत में कभी खत्म नहीं होंगे, क्योंकि हालात सुधर ही नहीं सकते हैं। हालात सुधरे ही नहीं, बल्कि 75 साल में यहां तक पहुंच चुके हैं कि इतनी विशाल जनसंख्या के बावजूद भारत अब लाखों टन गेहूं निर्यात करने की स्थिति में भी है। दरअसल, कुछ राजनीतिक दलों को यह समझ में आया कि जनता को कुछ देने का वादा उन्हें वोट दिला सकता है।

शुरुआत आंध्र प्रदेश में एन टी रामाराव ने की थी, दो रुपये किलो चावल देने के वादे के साथ। उसके बाद तो जैसे सिलसिला चल निकला। तमिलनाडु में तो दोनों बड़े दलों में होड़ ही लग गई।

इंडीजेनस-डे का खंडन करता है हमारे बिरसा मुंडा का 'उलगुलान'

प्रवीण गुगनानी

ईसाइयों ने अपने धर्म की श्रेष्ठता सिद्ध करने हेतु षड़यन्त्र रचना सतत् चालू रखे। विदेशियों ने ही भारत के इतिहास लेखन में इस बात को दुराशयपूर्वक बोया कि आर्य विदेश से आई हुई एक जाति थी जिसने भारत के मूलनिवासी द्रविड़ समाज की सभ्यता को आक्रमण करके पहले नष्ट भ्रष्ट किया व उन्हें अपना गुलाम बनाया। जबकि यथार्थ है कि आर्य किसी जाति का नहीं बल्कि एक उपाधि का नाम था जो कि किसी विशिष्ट व्यक्ति को उसकी विशिष्ट योग्यताओं, अध्ययन या सिद्धि हेतु प्रदान की जाती थी। आर्य शब्द का सामान्य अर्थ होता है विशेष। पहले अंग्रेजों ने व स्वातंर्योत्तर काल में अंग्रेजों द्वारा लादी गई शिक्षा पद्धति ने भारत में लगभग छः दशकों तक इसी दूषित, अशुद्ध व दुराशयपूर्ण इतिहास का पठन-पाठन चालू रखा। भारत में इसी दूषित शिक्षा पद्धति ने आर्यन इंवेजन थ्योरी की स्थापना की व सामाजिक विभेद के बीज लगातार बोये। जर्मनी में जन्में किंतु संस्कृत के ज्ञान के कारण अंग्रेजों द्वारा भारत बुलाये गए मेक्समूलर ने आर्यन इन्वेजन थ्योरी का अविष्कार किया। मेक्समूलर ने लिखा कि आर्य एक सुसंस्कृत, शिक्षित, बड़े विस्तृत धर्म ग्रन्थों वाली, स्वयं की लिपि व भाषा वाली घुमंतू किंतु समृद्ध जाति थी।

मूलनिवासी दिवस या इंडिजिनस पीपल-डे एक भारत में एक नया षड्यंत्र है। सबसे बड़ी बात यह कि इस षड़यंत्र को जिस जनजातीय समाज के विरुद्ध किया जा रहा है, उसी जनजातीय समाज के कांधों पर इसकी शोभायमान पालकी भी चतुराई पूर्वक निकाली जा रही है। वस्तुतः प्रतिवर्ष इस दिन यूरोपियन्स और पोप को आठ करोड़ मूल निवासियों का निर्मम नरसंहार करने के लिए क्षमा मांगनी चाहिए। यह दिन यूरोपियन्स के लिए पश्चाताप व क्षमा का दिन है। यह दिन चतुर गोरे ईसाई व्यापारियों द्वारा भोले भाले जनजातीय समाज को मार काट करके उनकी भूमि छीन लिए जाने का शर्मनाक दिन है।

यूरोपियन्स ने इस दिन को षयंत्रपूर्वक उत्सव का दिन बना दिया और आश्चर्य यह कि भारत का वनवासी समाज भी इस कुचक्र में फंस गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के एक संगठन विश्व मजदूर संगठन (ILO) द्वारा राइटस आफ इंडिजिनस पीपल नाम से एक कन्वेन्शन जारी किया गया जिसे सम्पूर्ण विश्व के मात्र 22 उन देशों ने हस्ताक्षर किया जिनकी कहीं कहीं अत्याचार पूर्ण औपनिवेशिक कालोनियां थी। इन्हीं 22 देशों ने एक वर्किंग ग्रूप फार इंडिजिनस पीपल नामक संगठन बनाया जिसकी प्रथम बैठक 9 अगस्त 1982 को हुई और इसी दिन को बाद में विश्व मूल निवासी दिवस या विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। भारत के तथाकथित सेकुलर बुद्धिजीवियों व वामपंथियों के सहयोग से विदेशियों की यह चाल इतनी सफल हुई कि बड़ी संख्या में जनजातीय समाज इस वर्ल्ड इंडिजेनस-डे यानि विश्व मूलनिवासी दिवस को आदिवासी दिवस के नाम से मनाने लगा। तथ्य यह है कि भारत मे जनजातीय समाज व अन्य जाति जिसे इन विघटनकारियों ने आर्य ङ्क अनार्य का वितंडा बना दिया, वैसी परिस्थितियाँ भारत में है ही नहीं। कथित तौर पर आर्य कहे जाने वाले लोग भी भारत में उतने ही प्राचीन हैं जितने कि जनजातीय समाज के लोग।

यह सर्वविदित है कि इस्लाम व ईसाईयत दोनों विस्तारवादी धर्म हैं। अपने विस्तार के लिए इन्होंने अपने धर्म के परिष्कार, परिशोधन के स्थान पर षड़यन्त्र, कुतर्क, कुचक्र व हिंसा का ही उपयोग किया है।

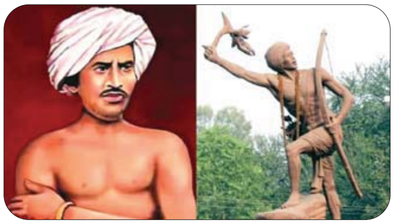

अपने इसी लक्ष्य की पूर्ति के लिए पश्चिमी विद्वानों ने भारतीय जातियों में विभेद उत्पन्न करना उत्पन्न किया व द्रविड़ों को भारत का मूलनिवासी व आर्यो को बाहरी आक्रमणकारी कहना प्रारंभ किया। सच यह है कि भारत में उदित हुए प्रत्येक धर्म के मानने वाले सभी लोग मूलतः भारत के आदिवासी ही हैं। मूल भारतीयों में वनों में रहने व नगर में रहने मात्र का ही भेद है।

इस प्रकार मैक्समूलर ने आर्य इंवेजन थ्योरी के सफेद झूठ का पौधा भारत में बोया जिसे बाद में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने एक बड़ा वृक्ष बना दिया। यद्दिप बाद में 1921 में हड़प्पा व मोहनजोदड़ो सभ्यता मिलने के बाद आर्यन थ्योरी को बड़ा धक्का लगा किंतु अंग्रेजों ने अपनी शिक्षा पद्धति, झूठे इतिहास लेखन व षड़यन्त्र के बल पर इस थ्योरी को जीवित रखा। सिंधु घाटी सभ्यता की श्रेष्ठता को छुपाने व आर्य द्रविड़ के मध्य विभाजन रेखा खींचने की यह कथा बहुत विस्तृत चली। भारत के जनजातीय समाज व अन्य समाजों यानि अरण्यक समाज व नगरीय समाज मे एकरूपता की बात करें तो कई अकाट्य तथ्य सामने आते हैं। कथित तौर पर जिन्हें आर्य व द्रविड़ अलग-अलग बताया गया उन दोनों का डीएनए एक है। दोनों ही शिव के उपासक हैं। प्रसिद्ध एन्थ्रोपोलाजिस्ट वेरियर एलविन, जो कि अंग्रेजों के एडवाइजर थे, ने जनजातीय समाज पर किए अध्ययन में बताया था कि ये कथित आर्य और द्रविड़ शैविम के ही एक भाग है और गोंडवाना के आराध्य शंभूशेक भगवान शंकर का ही रूप हैं। माता शबरी, निषादराज, सुग्रीव, अंगद, सुमेधा, जांबवंत, जटायु आदि आदि सभी जनजातीय बंधु भारत के शेष समाज के संग वैसे ही समरस थे जैसे दूध में शक्कर समरस होती है। प्रमुख जनजाति गोंड व कोरकू भाषा का शब्द जोहारी रामचरित मानस के दोहा संख्या 320 में भी प्रयोग हुआ है। मेवाड़ में किया जाने वाला लोक नृत्य गवरी व वोरी भगवान शिव की देन है जो कि समूचे मेवाड़ी हिंदू समाज व जनजातीय समाज दोनों के द्वारा किया जाता है। बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, अमर शहीद बुधू भगत, जतरा भगत, लाखो बोदरा, तेलंगा खड़िया, सरदार विष्णु गोंड आदि आदि कितने ही ऐसे वीर जनजातीय बंधुओं के नाम हैं जिनने अपना सर्वस्व भारत देश की संस्कृति व हिंदुत्व की रक्षा के लिये अर्पण कर दिया।

जब गजनी से विदेशी आक्रांता हिंदू आराध्य सोमनाथ पर आक्रमण कर रहा था तब अजमेर, नाडोल, सिद्ध पुर पाटन, और सोमनाथ के समूचे प्रभास क्षेत्र में हिंदू धर्म रक्षार्थ जनजातीय समाज ने एक व्यापक संघर्ष खड़ा कर दिया था। गौपालन व गौ सरंक्षण का संदेश बिरसा मुंडा जी ने भी समान रूप से दिया है। और तो आर क्रांतिसूर्य बिरसा मुंडा का उलगुलान संपूर्णतः हिंदुत्व आधारित ही है। ईश्वर यानी सिंगबोंगा एक है, गौ की सेवा करो एवं समस्त प्राणियों के प्रति दया भाव रखो, अपने घर में तुलसी का पौधा लगाओ, ईसाइयों के मोह जाल में मत फंसो, परधर्म से अच्छा स्वधर्म है, अपनी संस्कृति, धर्म और पूर्वजों के प्रति अटूट श्रध्दा रखो, गुरुवार को भगवान सिंगबोंगा की आराधना करो व इस दिन हल मत चलाओ यह सब संदेश भगवान बिरसा मुंडा ने दिये हैं। षड़यंत्रपूर्वक जिन्हे आर्य कहा गया और वे जिन्हे अनार्य कहा गया दोनों ही वन, नदी, पेड़, पहाड़, भूमि, गाय, बैल, सर्प, नाग, सूर्य, अग्नि आदि की पूजा हजारों वर्षो से पूजा करते चले आ रहें हैं। भारत के सभी जनजातीय समुदाय जैसे गोंड, मुंडा, खड़िया, हो, किरात, बोडो, भील, कोरकू, डामोर, डासी, सहरिया, संथाल, बैगा, हलबा, कोलाम, मीणा, उरांव, लोहरा, परधान, बिरहोर, पारधी, आंध, टाकणकार, रेड्डी, टोडा, बडागा, कोंडा, कुरुम्बा, काडर, कन्निकर, कोया, किरात आदि-आदि के जीवन यापन, संस्कृति, दैनंदिन जीवन, खानपान, पहनावे, परम्पराओं, प्रथाओं का मूलाधार हिंदुत्व ही है। अब ऐसी स्थिति में भारत मे मूलनिवासी दिवस की अवधारणा का स्थान कहां रह जाता है? हां, भारत में हमारे भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को शासकीय व सामाजिक स्तर पर जनजातीय गौरव दिवस व उत्सव के रूप में अवश्य ही मनाया जाना चाहिए।

लेखक- विदेश मंत्रालय भारत सरकार में राजभाषा सलाहकार है

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

चढ़ कर बैठे झूले

चढ़ कर बैठे झूले पर हैं मन ही मन हर्षाते हैं। पूँछ हिलाते बन्दर मामा अपनी मौज मनाते हैं। भाग गए हैं बच्चे सारे छोड़ झूले की मस्ती को घुड़की दे कर बन्दर मामा जब-जब आँख दिखाते हैं । सावन की मस्ती है छाई बन्दर मामा मस्ताते ऊपर-नीचे आगे-पीछे देख देख मुस्काते हैं। मस्त हवा बौछार बूंद संग झोंटे खूब दिलाती है। बन्दर मामा टांग पसारे झूले में सो जाते हैं। **- रानी इन्दु**

कोई सांवली सी रात

कोई सांवली सी रात हो मेरे हाथ में तेरा हाथ हो न हो फासले कोई दरमियाँ बस बोलते एहसास हो। हो शबनमी खामोशियाँ और महकती सी सांस हो आंखों से करें बात हम कुछ लरज़ते जज़्बात हो। सिलवटें कोई अरमानों के सँवरते हर ख्वाब हो, मिट जाएं सारे फासलें ऐसी तो आज कोई बात हो। **- सत्या शर्मा कीर्ति**

ख़ास पाती

मस्त रह तू क्यूं डरा है इस

मस्त रह तू क्यूं डरा है, इस कदर ऐ आदमी, याद रख ज़िंदादिली की इक बहर ऐ आदमी। है जरूरी यह नहीं के हर सफ़र आसान हो, छोड़ना बिलकुल नहीं तू यह डगर ऐ आदमी। गुनगुना ले, मुस्करा ले, खो न अपनी ज़िंदगी, छू न पाएगी तुझे ग़म की लहर ऐ आदमी। मुश्किलों के दौर में रख तू हमेशा हौसला, क्या बिगाड़ेगा बता दे यह कहर ऐ आदमी। वक्त बदलेगा, ख़ुशी के शेर कह दो-चार तू, 'राज' की महफ़िल में आ जा इक पहर ऐ आदमी। **- राजकुमार धर द्विवेदी**

मैं हमेशा मनी प्लांट सी रही

मैं हमेशा मनी प्लांट सी रही हर जगह बढ़ती रही एक पत्ते में जड़ को लिए आबाद करती रही। करती रहूँगी हर आशिया, हर बगिया मूझें सींचने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ती एक बोतल में भी पसार देती हूँ पैर कोख समझ ढीठ हूँ मैं तभी पनप जाती हूँ हर जगह, फ़िर मूझें चुरा कर ले जाओ या सरेआम मैं निष्पक्ष, निष्पाप उग आती हूँ हर देहरी पर लिए अपना विकराल विस्तृत हराभरा स्वरूप जी मैं स्त्री एक बेल जो मुरझा गई तो किसी काम की नही। **-सुरेखा अग्रवाल**

अबके सावन सूना है सीमा पर

अबके सावन सूना है सीमा पर परदेसी बलम है अबके दुःख भी दूना है मन मुंडेर पर बैठी हसरत उनको टेर लगाती है नैनों में पीड़ा की बूंदें। बिरहन को तड़पाती हैं पिय मेरे कश्मीर बसे हैं, मेरा घर तो पूना है अबके सावन सूना है। रातरानी की ख़ुशबू मुझको उनकी याद दिलाती है। चाँदनी छत पर आकर मेरी रह-रह देह जलाती है। पूछा हाल पिया का जबसे बादल ने सिर धूना है अबके सावन सूना है। **-आरती कुमारी**

मुझमें हुनर है अपनो से धोखा

मुझमें हुनर है अपनो से धोखा खाने का हारता जज़्बा नही हर हाल में निभाने का मसरूफ़ियत चुपके से जब भी रोती है तरीका फ़ुरसत से मांगता हूँ चुप कराने का हसरतों से मैं मुँह कब तलक छिपाऊँगा दिखता नही रास्ता मरे पीछे, मेरे जाने का रोज़ बढ़ते रहे दीवाने उनकी आंखों के मज़ा बढ़ता रहा उनसे दिल लगाने का मैंने दिल की बताने में कोताही ना करी तूने कोई तौर ना छोड़ा कुछ छिपाने का। **- मुनेश शर्मा**

सुरभित साँस आज तुमसे ही,तुमसे

सुरभित साँस आज तुमसे ही,तुमसे ही हर आस प्रिये। पल - पल तेरे साथ का मुझको होता है आभास प्रिये। और कहूँ क्या तुमसे सजनी,बस इतना ही तुम सुन लो- तुमसे ही यह जीवन रोशन , तुम मेरा विश्वास प्रिये। **- अमित शिवकुमार दुबे**

संवाद का दृष्टिकोण सीमित नहीं

संवाद का दृष्टिकोण सीमित नहीं, सीमित है तो वह बाग, जहां पुष्पों को माली सुरक्षित रखता है, और, एक वक्त के बाद सौंप देता, अंजान खरीदार को यकीनन असहमत पुष्पों जैसी औरतें..!

- अनुभूति 'अनु'

मेरी चाहत से तुमने जाना हर पल हैं

मेरी चाहत से तुमने जाना हर पल हैं खेला, माना कि तेरे चाहने वालों का लगा है मेला। कसूर जब मेरा ही था तो तेरा दोष क्या देना, मिले जो मेरे जैसा कोई हमें भी मिला देना।

- संजय सिंह राजपूत

QUIZ TIME

1) अदभुत ब्राह्मण किसको कहते हैं?
2) फ्री इण्डियन लीजन नामक सेना किसने बनाई?
3) भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम ने किस टीम के खिलाफलाइफबॉय कप 2022टी20 श्रृंखला जीती?
4) गूगल मैप्स ने किसके सहयोग से भारत में स्ट्रीट व्यू लॉन्च किया है?
5) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 1931 में छत्तीसगढ़ की रियासतों की ओर से किसने भागीदारी की थी?

उत्तरमाला- (1) षडविंश (2) सुभाष चन्द्र बोस (3) नेपाल (4) टेक महिंद्रा और जेनेसिस इंटरनेशनल (5) रामानुज प्रताप सिंहदेव (कोरिया रियासत)

Ramaquiz

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1173 - इटली में बनी पीसा की झुकी हुई मीनार का निर्माण शुरू हुआ। 1831 - अमेरिका मे पहली बार स्टीम इंजन ट्रेन चली। 1892 - थॉमस अल्वा एडिसन ने टू-वे टेलिग्राफ का पेटेंट कराया। 1909 - 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित कन्नड़ भाषा के प्रमुख साहित्यकार विनायक कृष्ण गोकाक का जन्म। 1925 - काकोरी काण्ड की घटना हुई। 1933 - आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध साहित्यकार मनोहर श्याम जोशी का जन्म। 1942 - महात्मा गांधी को ब्रिटिश सरकार ने गिरफ्तार कर लिया। 1942 - अगस्त क्रांति भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई। 1942 - स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने मलाया (अब मलेशिया) में जापान की मदद से इंडियन नेशनल आर्मी की स्थापाना की। 1945 - अमेरिका ने जापान के नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया। 1963 - परमाणु हथियारों की परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर करने वाला भारत पहला देश बना। 1965 - सिंगापुर मलेशिया से स्वाधीन हुआ। 1971 - भारत-पाकिस्तान मैत्री संधि पर हस्ताक्षर हुए। 1971 - भारत और सोवियत संघ ने 20 साल की अनाक्रमण संधि पर हस्ताक्षर किए। 1973 - तत्कालीन सोवियत रूस ने मार्स 07 का प्रक्षेपण किया। 1996 - मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान बने। 2000 - संसद ने मध्य प्रदेश पुनर्गठन विधेयक 2000 को मंजूरी दी जिससे पृथक छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

न्यूज गैलरी

मेडिकल कार्पोरेशन की बैठक में शामिल हुए विधायक विनय

चिरिमिरी/कोरिया। मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ विनय जायसवाल राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज

कार्पोरेशन लिमिटेड की बैठक में शामिल हुए। बैठक में राज्य के विभिन्न चिकित्सालयों में दवाइयों की आपूर्ति व व्यवस्था संदर्भित बिंदुओं की समीक्षा एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। जिसके परिपालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सीजीएमएससी के चेयरमैन डॉ. प्रीतम राम, संचालक डॉ. केके ध्रुव के साथ विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

तिरंगा अभियान को सफल बनाने विधायक ने की अपील

सारंगढ़/नवप्रदेश। आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर सारंगढ़ विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े ने क्षेत्रवासियों को 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाने की अपील की। इस समय पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है। ही छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर स्वतंत्रता सप्ताह मना रहा है। जिसके लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हम तिरंगा अभियान का

शुभारंभ कर चुके हैं जो 1 सप्ताह तक हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। स्वतंत्रता सप्ताह के भव्य रूप में मनाने जा रही हैं। 15 अगस्त को देश की आजादी के 75 साल पूरे होने जा रहे हैं। इस गौरवमयी वेला को यादगार बनाने के लिए और जनमानस में बसी देशभक्ति की भावना को और मजबूत बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में हमर तिरंगा अभियान का आगाज हो चुका है।

अंतिम सोमवार शिवालयों में शिवभक्तों की उमड़ी भीड़

किरंदुल/नवप्रदेश। भगवान शिव के प्रिय मास सावन के आखिरी सोमवार को नगर के मंदिरों में जबरदस्त भीड़ रही। लौह नगरी किरंदुल के शिवालयों में सुबह से ही शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी। शिवालयों में दर्शन के लिए भक्तों की लाइन लगी रही। सावन के आखिरी सोमवार के दिन हजारों की संख्या में आए भक्तों ने जल लेकर शिवालय में जलाभिषेक किया और सभी लोग अपनी-अपनी मनोकामना पूर्ण हेतु भगवान शिव पार्वती से मनचाहा फल मांगा। किरंदुल मे समुद्री तल से हजारों फिट ऊपर स्थित रामाबूटी की शिव मंदिर, गांधी नगर स्थित पहाड़ी शिव मंदिर, देवस्थान राघव मंदिर, धरमपुर कैंप स्थित श्री बद्रीनाथ शिव मंदिर, दक्षिणेश्वर शिव मंदिर, पशु पतिनाथ मंदिर, कैलाश शिव मंदिर इन सभी शिवालयों मे सावन की अंतिम सोमवार को भक्तों की भीड़ देखने को मिली।

डीएवी पब्लिक स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

किरंदुल/नवप्रदेश। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में देश भक्ति से संबंधित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें प्री प्राइमरी एवं प्राइमरी एलकेजी, यूकेजी से प्रथम स्थान यशस्वी द्वितीय स्थान पर नव्या और तृतीय स्थान मास्टर खिलेंद्र ने प्राप्त किया। कक्षा पहली और दूसरी में प्रथम स्थान अंशिका बोरा द्वितीय जीत यादव और तृतीय स्थान जानवी सरकार ने प्राप्त किया। कक्षा तीसरी से पांचवी में प्रथम स्थान जोशना द्वितीय धीरज सरकार और तृतीय जतिन कुमार ने प्राप्त किया। पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत आज विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों के लिए राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। विद्यालय के प्राचार्य पीएल वर्मा ने सभी सफल प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और छात्रों का उत्साहवर्धन किया साथ ही सभी शिक्षकों को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई देते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

दुर्घटना में गंभीर घायलों को पहुंचाओं अस्पताल, पाओं इनाम

- यातायात प्रभारी आमजनों को नियमों का पालन करने सिखा रहे पाठ
- यातयात को बेहतर बनाने पुलिस अधीक्षक ने शुरू की गुड सेमेरिटर्न

कांकेर/नवप्रदेश। जिले में गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्ति) योजना से मृत्युदर में कमी के लिए यातायात पुलिस लोगों व विद्यार्थियों को जागरूक कर रही है। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बचाने का कार्य करने वाले गुड सेमेरिटन को नकद प्रोत्साहन राशि व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। यातायात व्यवस्था को शहर सहित ग्रामीण अंचलों में और भी बेहतर बनाने की पहल को सार्थक करने जिले के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा लोगों में जागरूकता को लेकर अब यातायात के नियमों का पालन करने नई पहल शुरू कर दी है। एसपी सिन्हा ने यातायात को सुचारू रूप से संचालन करने मिशन गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्ति) की शुरुआत किया जा रहा है। इसमें सड़क में कोइ भी हादसे का शिकार होकर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मदद करने वालों को नकद पुरस्कार देने की पहल की गई है। एसपी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश ठाकुर व जीएन बघेल के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कांकेर डॉ. अनुराग झा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डॉक्टर चित्रा वर्मा के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस कांकेर द्वारा सड़क हादसे को रोकने हेतु हर संभव प्रयास कर रही है। उच्च अधिकारियों के निर्देश का पालन करते स्वयं

ग्रामीणों को किया जा रहा जागरूक : यातायात टीम कांकेर द्वारा नेशनल हाईवे 30 के किनारे बसे ग्राम लखनपुरी तेलगरा, तारसगांव आतुरगांव कुलगांव में पहुंच कर अधिक से अधिक संख्या में लोगों को सड़क पर होने वाली हादसों और उसमें होने वाली दर्दनाक परिस्थिति के संबंध में बताया। सड़कों पर लगातार बढ़ती हुई दर्दनाक हादसे से बहुत से लोगों की जान चली जाती है और कई गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। घायल व्यक्ति को समय पर त्वरित उपचार न मिलने के कारण भी उनकी मृत्यु हो जाती है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को त्वरित उपचार हेतु लोगों द्वारा मदद कर समय पर अस्पताल पहुंचा कर उसकी जिंदगी बचाई जा सकती है।

अस्पताल पहुंचाने वालों को मिलेगा इनाम

सड़क हादसों में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों की जीवन बचाने एसपी के निर्देश पर हर थाना क्षेत्र में व सड़क मार्ग से जुड़े हुए गांव में (गुड सेमेरिटर्न) बनाने हेतु पहल की गई है। ताकि सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों की त्वरित इलाज हेतु अस्पताल पहुंचाया जा सके और उनकी जीवन की रक्षा की जा सके और सड़क हादसों में कमी लाया जा सके।

एसपी करेंगे पुरस्कृत

जो भी व्यक्ति किसी गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज हेतु त्वरित अस्पताल पहुंचाने पर मदद करने वालों को संवेदनशील पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप उचित नकद राशि पुरस्कृत की जाएगी। 8 अगस्त को यातायत टीम कांकेर द्वारा लोगों के मध्य उपस्थित होकर यातायात जन जागरूकता अभियान के तहत लोगों से गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों की मदद करने हेतु अपील की गई है।

यातायात प्रभारी महेश साहू ने कमान संभालते आमजनों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का ल प्रयास किया जा रहा है। यातायात प्रभारी महेश साहू ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने अलग-अलग स्थानों में जाकर जन जागरूकता अभियान यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह शॉर्ट फिल्म आदि के माध्यम से व ब्लैकस्पॉट ग्रेस्पॉट जोन में कन्वैक्स मिरर स्टॉपर हार्डिंग सिग्नल लगाकर एवं चालानी कार्रवाई कर, लगातार हाईवे पेट्रोलिंग के माध्यम से सड़क हादसों में कमी लाने हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

बड़का पारा में नहीं रहेगी पानी निकासी की समस्या

सूरजपुर/नवप्रदेश। नगर के वार्ड क्रमांक 17 के रहवासियों को पानी भराव की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से विवादित मार्ग का निर्माण कार्य नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि प्रवेश गोयल, स्थानीय पार्षद कुसुमलता सुरेंद्र राजवाड़े, पार्षद अजय सोनवानी, एल्डरमैन मधुसूदन साहू एवं अन्य प्रतिष्ठित जनों की उपस्थिति में शुरू कराया गया। वार्ड 17 बड़कापारा के निचले मोहल्ले में सड़क की ऊंचाई कम होने के कारण पूरी बस्ती में पानी भर जाता था। यह स्थिति पूरे वर्ष भर तो रहती ही थी, बरसात के दिनों में तो लोगों का आवागमन ही अवरूद्ध हो जाता था। कुछ लोगों द्वारा पानी निकालने के लिए जगह नहीं दी जाने पर राजस्व विभाग ने शासकीय जमीन खाली करवाकर पानी निकासी की व्यवस्था अस्थाई रूप से की थी, लेकिन तकनीकी जानकारों की सलाह पर नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल ने सड़क की ऊंचाई बढ़ाने के प्रस्ताव को हरी झंडी देते हुए 8 अगस्त को जोनल के माध्यम से डब्ल्यूएमएम एवं सीसी रोड का निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। सड़क की ऊंचाई बढ़ने से लोगों को आवागमन में परेशानी नहीं होगी और अस्थाई नाली बनाने से जल का ठहराव भी इस बस्ती में नहीं होगा। शिलान्यास के दौरान नगर के प्रतिष्ठित अनिरुद्ध बैगा, उपयंत्री बसंत जयसवाल, रामचंद्र देवांगन, दूध लाल, हरि नारायण साहू समेत स्थानीय गणमान्य जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पानी निकासी के स्थाई समाधान के लिए नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल एवं वार्ड पार्षद कुसुमलता राजवाड़े व अन्य जनप्रतिनिधियों की कोशिश से 15वें वित्त मद से 10 लाख की स्वीकृति शासन स्तर पर प्राप्त हो गई है जिसका निर्माण कार्य यथाशीघ्र शुरू कराया जाएगा।

कांग्रेस पार्षद और भाजपा मंडल अध्यक्ष के बीच हुई मारपीट, दोनों पर केस दर्ज

चिरिमिरी/कोरिया। विधानसभा मनेंद्रगढ़ के अंतर्गत शहर चिरमिरी में बीते दिन रविवार को हल्दीबाड़ी में आपसी रंजिश में उलझे दो लोगों के बीच मारपीट की वारदात सामने आई है जिसमें दो महत्वपूर्ण चेहरे सामने नजर आए। कांग्रेस पार्षद शिवांस राजू जैन जो कि मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. विनय जयसवाल के विधायक प्रतिनिधि, दूसरे हैं सब्जी विक्रेता एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता चंदन गुप्ता हैं। बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह उनके दुकान से संबंधित सामान की, स्टॉक की अनलोडिंग की जा रही थी। हफ्तेभर मार्केट में ज़ोरदार भीड़ एवं ट्राफिक की समस्याओं की वजह से रविवार के दिन पर्याप्त समय मिल पाने की वजह से बाहर से यह काम रविवार के दिन सही रहता है मगर, वहां के लोगों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यूं कहें कि मुख्य मार्ग के समीप ही किसी अन्य व्यापारी की दुकान के

सामने बड़ी गाड़ी को पार्क कर अपने दुकान के सामानों उतारा जा रहा था, जिस पर चंदन गुप्ता द्वारा इसे अनियमित एवं सत्ता का दुरूपयोग की दृष्टि से इसे देखा गया और उनके अन्य साथियों द्वारा इस मामले के संबंध में पूछने पर यह बताया गया एवं प्रश्न उठाया गया कि जहां आम आदमी आम जनमानस पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा जरा सी अनियमितता होने पर तत्काल कार्यवाही की जाती है, मगर जब सत्ताधारियों की बात आती है तब पुलिस प्रशासन कार्यवाही करने में विलम्ब करते नजर क्यों आती है? चंदन गुप्ता द्वारा वीडियो बनाया जा रहा था इसकी जानकारी शिवांश जैन को मिली तो वो भी स्थल पर आ गये वीडियो वाली बात लेकर दोनों बहस करते करते मारपीट शुरू हो गई। दोनों के द्वारा पुलिस थाना चिरिमिरी में एफआई आर लिखाई गई है। जिस पर दोनों पर पुलिस ने धारा 294, 506, 323 के तहत मामला दर्ज किया है।

खड़केश्वरनाथ में शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

सारंगढ़/नवप्रदेश। कांवड़ यात्रा में सैकड़ों भक्तों द्वारा खड़केश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक किया गया। सावन मास के अंतिम सोमवार को खड़केश्वर नाथ मंदिर में भोले बाबा के श्रद्धालुओं के द्वारा जलाभिषेक किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं नपा पार्षद अमित तिवारी के नेतृत्व में तालेश्वर महादेव मंदिर से स्नान कर जल भरकर 3 किलो मीटर की यात्रा डीजे के साथ नाचते गाते गगन भेदी नारे लगाते हुए शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए खड़केश्वर नाथ महादेव मंदिर खाड़ाबन में जलाभिषेक किया। जगह-जगह चाय और ठंडा की व्यवस्था सामाजिक संस्थाओं के द्वारा की गई। वहीं फुलझरिया पारा से निकली भोले बाबा का भव्य जुलूस जिसमें श्रद्धालुओं के द्वारा केदारनाथ मंदिर का छाया चित्र

कांवड़ में बनाया गया था। जिस मंदिर को शहर के मुख्य मार्गो से घुमाते हुए वापस फुलझरिया पारा पहुंचे। इस जलाभिषेक यात्रा में 6 श्रद्धालु भक्तों के द्वारा केदारनाथ मंदिर को अपने कांधे पर लेकर बिना चरण पादुका पैदल चल रहे थे। महिला भक्त डीजे के धुन में नाचते हुए जा रही थी।

त्यौहारों को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

सारंगढ़/नवप्रदेश। सारंगढ़ थाना परिसर में थाना प्रभारी सीताराम ध्रुव की अध्यक्षता में त्यौहारों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज प्रमुख, जनप्रतिनिधि एवं शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। बैठक में इसी सप्ताह मोहर्रम, रक्षाबंधन, कृष्ण जन्माष्टमी जैसे त्यौहारों को लेकर सभी समाज का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की बात कही। वहीं सड़कों पर आवागमन बाधित नहीं करने की अपील की गई। उन्होंने नगर पालिका को लाउड स्पीकर के माध्यम से निरंतर सूचना देने तथा पुलिस स्टाफ द्वारा निरंतर गश्त करने की बात कही। साथ ही उन्होंने व्यापारियों से भी अपील की कि वे दुकानों के सामान दुकान से बाहर ना निकाले। जनमानस को सुरक्षित करने के दृष्टि से यह अपील भी की कि आप किसी भी ब्लैंक कॉल अथवा अनभिज्ञ व्यक्ति को अपना पासबुक, खाता नंबर, आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड व उसका पासवर्ड बिल्कुल भी ना बताएं। शांति समिति की बैठक में जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष अरुण मालाकार, अजय बंजारे, राजकमल अग्रवाल, महेंद्र केजरीवाल के साथ ही साथ नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंतिम सोमवार को निकली शिव की आकर्षक झांकी

कांकेर/नवप्रदेश। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को जन सहयोग समाजसेवी संगठन द्वारा देवभूमि राजापारा के भगवान भोलेनाथ के मंदिर में अंतिम सावन सोमवार को लेकर भव्य कार्यक्रम पूजा पाठ हवन रैली आदि सहित धूमधाम से संपन्न किया गया। कार्यक्रम में शहर की महिलाओं की विशेष संख्या में उपस्थिति उल्लेखनीय रही। संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के नेतृत्व में कार्यक्रम का प्रारंभ प्रातः काल में देवभूमि राजापारा के ऐतिहासिक मुक्तिधाम से किया गया जहां धार्मिक रीति-रिवाजों सहित पूजा पाठ एवं बोल बम के नारे जयकारे करते हुए श्रद्धालुओं की रैली बस्ती की ओर आगे बढ़ी। जहां पुलिस लाइन के समक्ष बड़ी चट्टान पर स्थित भोले बाबा की विशाल मूर्ति के समीप हवन किया गया। राजापारा के इस सुंदर स्थान पर कुछ वर्षों पूर्व स्थापित भगवान शंकर की मूर्ति वाले स्थल को अधिकतर जनता भोलेनाथ के दरबार के नाम से जानती है। यहां भी श्रद्धालुओं ने गायन, वादन, नृत्य आदि के द्वारा समा बांध दिया। जिसे आम जनता द्वारा अत्यंत प्रशंसनीय निरूपित किया गया। इस वर्ष का कार्यक्रम कुछ अधिक प्रसन्नता एवं उत्साह के साथ संपन्न किया गया। जन सहयोग के इस कार्यक्रम के कारण आज देवभूमि राजा

पारा में विशेष साफ-सफाई के साथ धार्मिक भावनाओं एवं पवित्रता का वातावरण दृश्यमान हो उठा। वर्ष के अंतिम सावन सोमवार के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिन समाजसेवियों ने जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी को सक्रियता पूर्वक सहयोग दिया। जिनमें पूर्व पार्षद लक्ष्मी देहारी, प्रीति यादव, सुरेखा यादव, सरोज यादव, लक्ष्मी ठाकुर, सपना डे, बल्लू राम यादव, करण नेताम, धर्मेंद्र देव, प्रमोद सिंह ठाकुर, संत कुमार रजक, प्रतीक पटेल, रवि यादव, दिनेश मोटवानी, शीतल यादव, शैलेंद्र देहारी, राजेश चौहान, भूपेंद्र यादव, जीवन यादव, प्रकाश पटेल, पप्पू साहू एवं पंडित कृष्ण कुमार का उल्लेखनीय योगदान रहा।

पहरिया में स्वच्छ भारत अभियान की उड़ाई जा रही है धज्जियां

जांजगीर चाम्पा/नवप्रदेश। स्वच्छ भारत मिशन के तहत खुले में शौच पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार बड़ी रकम खर्च कर रही है, लेकिन ग्राम पचांयत पहिरया में बने सार्वजनिक सुलभ शौचालय में कई वर्षो से सरपंच के द्वारा ताला लगा दिया गया है। ऐसे में सवाल ग्रामीणों लोगों के मन उठ रही है कि आखिर क्या वजह थी जो सर्वजनिक सुलभ शौचालय में पहरिया सरपंच के द्वारा लंबे समय का ताला जड़ दिया गया। सरकार की मनसा थी कि हर गांव हर नगर शहर स्वच्छता के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर स्वच्छ रखना है, लेकिन ग्राम पचांयत पहरिया में बनाए गए सार्वजनिक सुलभ शौचालय अभी तक चालू नहीं हो पाए हैं। ऐसे में स्वच्छता अभियान पर सवाल उठने लगे हैं।

पंचायत के सामने गंदगी का ढेर

पहरिया पंचायत के सामने गंदगी का ढेर लगा हुआ है। आसपास गंदगी और कचरों का ढेर लगा हुआ है। भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र में लोगों की सहूलियत के लिए बनाए गए सामुदायिक स्वच्छता परिसर उपयोगी साबित नहीं हो रहे हैं। पहरिया में, हाट बाजार, शादी में आने वाले लोगों सहित ग्राम वासियों के लिए बनाए गए सुविधा के लिए सर्वजनिक सुलभ शौचालय भवन का लाभ नहीं मिलने से अभी भी लोगों को खुले में शौच करना पड़ रहा है जिससे अनेक बीमारियां फैलने का खतरा है। सरकार का उद्देश्य था कि सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण गांव में स्वच्छता के दर्पण कहे या मील का पत्थर साबित होगा, लेकिन सरपंच और सचिव की लापरवाही से आम जनता परेशान हैं।

सीईओ ने नहीं दिया जवाब

इस संबंध में बलौदा जनपद पंचायत सीईओ से चर्चा करने के लिए उन्हें कॉल किया गया, लेकिन बार-बार उनकी फोन की घंटी बजती रही, लेकिन उन्होंने कोई रिस्पांस नहीं दिया। लिहाजा उनका पक्ष नहीं आ पाया।

कलेक्टर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, सतर्क रहने की अपील

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। कलेक्टर विनीत नंदनवार द्वारा जिले में अतिवृष्टि को देखते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरन्तर दौरा एवं मानिटरिंग किया जा रहा है।उन्होंने विकासखंड गीदम अंतर्गत हारम और बालपेट पहुंच वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।उन्होंने बाढ़ की बनी स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को प्रभावित लोगों को त्वरित ही राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत शिविर में शिफ्ट करने के साथ ही उनके लिए भोजन, पेयजल आदि की समुचित व्यवस्था की जा रही है।जिले में हो रहे अधिक बारिश को दृष्टिगत रखते हुए हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों

की वर्तमान स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने का अपील की गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गंभीर स्थिति में लोगों को तुरंत ही सुरक्षित स्थान पहुंचाकर समुचित सुविधा सुनिश्चित की जाए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद करें।

बारिश से एनएच 30 जगह-जगह जाम, मुख्यालय से टूटा संपर्क

■ **बाढ़ में फंसे 80 साल के बुजुर्ग ने पेड़ पर चढ़कर बचाई जान**

सुकमा/नवप्रदेश। लगातार दो दिन की बारिश से सुकमा मुख्यालय के झपरा पुल से लेकर पुसपाल जैसे अंदरूनी इलाकों में अचानक आए बाढ़ से जिले में अफरा-तफरी मच गया हैं। जिले भर से बाढ़ से प्रभावित इलाकों के अलग-अलग तस्वीर सामने आया है। इस दौरान 24 घंटे से बाढ़ की फंसे 80 साल के बुजुर्ग को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। जानकारी के मुताबिक किंदरवाड़ा निवासी 80 वर्षीय लखमाराम नाग का घर से करीब एक किमी दूर पर खेत है। जहां वो रविवार को भी वे खेत की निगरानी के लिए गए थे। भारी बारिश के चलते अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया और बाढ़ का पानी आसपास के खेतों में घुस गया। अचानक आए बाढ़ की वजह से बुजुर्ग खुद को बचाने के लिए 24 घंटे तक पेड़ पर चढ़े रहे। किसी तरह बुजुर्ग ग्रामीणों तक खबर पहुंचाया जिसके बाद पुलिस की टीम ने रेस्क्यू कर सफलता पूर्वक बाढ़ से बाहर निकाला।

जगह-जगह एनएच जाम

बाढ़ ने एक बार फिर सुकमा जिला के कई इलाकों को प्रभावित किया है। जिले के कई इलाकों में बाढ़ के प्रभाव देखा गया। बाढ़ से छत्तीसगढ़-तेलंगाना-उड़ीसा राष्ट्रीय राजमार्ग सड़कों पर जलभराव के वजह से बाधित रहा। ग्रामीण इलाकों को मुख्यालय से संपर्क कट गया। आवाजाही और यातायात सेवा भी प्रभावित हुआ।

पानी में बह गई सड़क

सुकमा में बाढ़ के प्रभाव ने विकास के भी कई पोल खोल दी। सुकमा में आई अचानक बाढ़ से जिला के छिंदगढ़ ब्लॉक के तलनार और छिंदगढ़ के बीच रानीबहाल के पास बनी सड़क बारिश के वजह से सड़क बह गया। आफत की इस बाद ने शासन प्रशासन के विकास के दावों पर कई सवाल भी खड़े कर दिया। करोड़ों की लागत से बना सड़क महज एक बारिश में ही जमींदोज हो गया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू के लिए चलाया विशेष अभियान

■ **पेड़ों को रस्सियों से बांधकर लोगों को निकाला गया सुरक्षित**

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। जिले में आई भारी बारिश से नदी नालों में बढ़े प्रवाह के चलते अनेक लोग फंस गए थे। इन्हें निकालने के लिए प्रशासन ने विशेष दस्ते भेजे। होम गार्ड की टीम ने पेड़ों में रस्सी बांधकर लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। कलेक्टर विनीत नंदनवार ने रेस्क्यू अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ऐसे दस्तों को अलर्ट रहने और मौके पर रेस्क्यू कार्य करने के निर्देश दिए। इसके चलते बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से रेस्क्यू कार्य हुए और फंसे हुए लोगों को निकाल लिया गया। कई जगहों पर जलस्तर बढ़ने से पहले ही लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रशासन की तत्परता के चलते अनेक लोग बाढ़ की आपदा से सुरक्षित निकल गए। कलेक्टर ने रेसक्यू किये गए ग्रामीणजनों से बातचीत कर उनका हाल जाना। कलेक्टर ने पूरे समय बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि लगातार स्थिति पर नजर रखें। जहां कहीं भी लोगों के फंसे होने की जानकारी मिलती है। मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य करें। इसके साथ ही होमगार्ड की टीम भी पूरी तरह सतर्क रहें। जहां पर नदी नाले जोखिम के स्तर से ऊपर बढ़ रहे हैं। वहां सिक्योरिटी की विशेष व्यवस्था हो। पुलिस पूरे समय अलर्ट रहे ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को टाला जा सके। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा राहत का कार्य भी तेजी से हो।

सोहदाए कर्बला की याद में लंगर का हुआ आयोजन

कांकेर/नवप्रदेश। माहे मोहर्रम शरीफ के मुबारक मौके पर शहर की तीनो मस्जिदों में रोजाना सोहदाए कर्बला की याद में दस दिनों तक बाहर से ओलामाए किराम की नूरानी तकरीरी प्रोग्राम का आयोजन अपने अंतिम पडाव पर पहुंच चुका है। 9 अगस्त मंगलवार को सुबह आठ बजे शहर की जामा मस्जिद में यौमे आशूरा की विशेष नमाज़ अदा कराई जाएगी। वहीं सोमवार को शाम पांच बजे सोहादाए कर्बला की याद में शीतला पारा रोड में मरहूम हाजी सैयद माबुद अली के जानिब से खिचड़ा और शरबत का इंतजाम किया गया था। शाम के बाद खिचड़ा और शरबत में सैकड़ों लोगों ने खिचड़ा और शरबत में शामिल हुए। इस दौरान सैय्यद मसूद अली सैय्यद मंसूर अली (राजू भाई), सैय्यद मासूक अली, सैय्यद महफूज अली, सैय्यद मखदूम अली, सैय्यद मुस्तकीम अली, मोहम्मद इरशाद (असलम), मुकीम खान, सैय्यद मोहमद अली सहित बड़ी संख्या में परिवार जन शामिल हुए।

बिल्हा पुलिस ने ताला गांव में लगा चलित थाना

बिल्हा। जिले के बिल्हा थाना के अंतर्गत आज ग्राम तालागांव में चलित थाना लगाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर पारूल माथुर एवं उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना प्रभारी अंजना केरकेट्टा एवं थाना के स्टाफ के द्वारा ग्राम तालागांव में चलित थाना लगाया गया। शिविर में ग्राम तालागांव के लगभग 100 से अधिक लोग महिला, पुरुष, बच्चें, सियान व बुजुर्ग एवं ग्रामीण एवं ग्राम के महिला समूह उपस्थित रहा। थाना प्रभारी अंजना केरकेट्टा ने महिला संबंधी अपराध, महिलाओं व बाल सुरक्षा अधिकार, महिला सशक्तिकरण, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध निडरता से आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। थाना प्रभारी ने फेरी वालों से सावधान रहने और उनके बारे में जानकारी दी। ग्राम में आये सोने-चांदी सफाई के नाम से ठगी, बैंक फ्रॉड, साइबर अपराध, महिला एवं बच्चों पर घटित अपराध एवं बुजुर्गों के अधिकार के संबंध में एवं उससे बचाव के बारे में जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने इस चलित थाना में जुड़कर कर विभिन्न अपराधों से बचने के बारे में जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों द्वारा भी पुलिस को बीच-बीच में इस तरह चलित थाना कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया।

अच्छे मित्र के बिना जीवन अधूरा है : शोरी

■ **महिला कांग्रेस ने कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़ एवं सुवा नाच का किया आयोजन**

कांकेर/नवप्रदेश। संसदीय सचिव व विधायक शिशुपाल शोरी का जन्मदिन आज विधायक निवास कांकेर में कार्यकर्ताओं के द्वारा हर्षोल्लास वातावरण में मनाया गया। इस दौरान शहर के विभिन्न समाज के प्रमुख तथा गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री शोरी ने अपना जन्मदिवस मित्रों, परिवारजनों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के मध्य केक काटकर मितान दिवस के रूप में उत्साह-पूर्वक मनाया तथा पूर्व में मितान बधे मितानों ने आपस में केक काटकर एक दूसरे को बधाई दी। ज्ञातव्य है कि शिशुपाल का जन्म दिवस विगत 04 वर्षो से मितान दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि सुनील गोस्वामी ने बताया कि शिशुपाल शोरी के सोच के अनुरूप अपने संस्कृति एवं परम्परा को जीवंत बनाये रखने के उद्देश्य से मितान परम्परा को जनमानस के बीच जीवंत बनाये रखने की कोशिश है। इस दौरान विधायक शिशुपाल शोरी ने अपने उद्बोधन में मितान के शाब्दिक अर्थ को बताते हुए कहा कि एक अच्छे मित्र के बिना जीवन अधुरा है मित्र ऐसा नाता है जहां हर औपचारिकता और बंधन से उपर है पुरार्णिक समय से लेकर अब तक मित्रता के संबंध में कई जोड़िया मशहूर हुई है मित्रता केवल और केवल आपसी समझ से मजबूत होती है इसलिए एक मित्र का दूसरे मित्र के प्रति सत्यता और विश्वास का भाव सदैव होना चाहिए।

विधायक की धर्मपत्नी श्रीमती बिमला शोरी के द्वारा महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें जिसमें कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में सरिता ध्रुव प्रथम, जैनबाई नेताम द्वितीय, पिंकी ठाकुर तृतीय स्थान पर रही। मटका फोड़ में मुकेश्वरी शोरी प्रथम, रश्मि यादव द्वितीय तथा रिंकी कश्यप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जलेबी दौड़ में रश्मि यादव प्रथम तथा मुक्तिेश्वरी द्वितीय स्थान पर रही। रस्सा कसी में रश्मि यादव ग्रुप विजेता तथा सुभद्रा सलाम ग्रुप उप विजता का स्थान प्राप्त किया तथा सुवा नृत्य का भी महिलाओं ने अपनी प्रस्तुती दी।

कांग्रेस का आज से गौरव यात्रा

कोरिया/चिरमिरी। देशभर में केंद्र की भाजपा सरकार के तानाशाही रवैया देश में बढ़ रही महंगाई, बेरोजगारी और निजीकरण के कारण देश की जनता को परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के आह्वान पर जिस प्रकार आजादी के पूर्व अंग्रेजों के चंगुल से भारत देश को आजादी दिलाने और उनके चंगुल से छुड़ाने के लिए देशभर में अंग्रेजो भारत छोड़ो अभियान चलाया गया था। उसी प्रकार केंद्र की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने कांग्रेस का आज से गौरव यात्रा मनेंद्रगढ़ विधानसभा सहित पूरे देशभर में पद यात्रा निकलेगी।

इस अभियान के तहत मनेंद्रगढ़ विधानसभा अंतर्गत विधायक डॉ. विनय जयसवाल ने बताया कि उनके नेतृत्व में मंगलवार को प्रातः 9:00 बजे से विधानसभा क्षेत्र के नगर निगम चिरमिरी से 75 किलोमीटर की पदयात्रा आगाज किया जाएगा। जिसका समापन आगामी 14 अगस्त को मनेंद्रगढ़ शहरी क्षेत्र में होगा।

जो यात्रा प्रथम दिवस हल्दीबाड़ी चौक के राधा कृष्ण मंदिर से पूजा अर्चना कर प्रारंभ होगी जो शहर के हृदय स्थल हल्दीबाड़ी से निकलकर मुख्य मार्ग होते हुए कालीबाड़ी होते हुए बड़ी बाजार होकर गोदरी पारा से ग्राम भूकभूकी तक जाएगी।

श्री जायसवाल ने बताया कि इस पदयात्रा के दौरान समस्त कांग्रेस जनों के हाथ में राष्ट्र ध्वज तिरंगा के साथ गांधीवादी तरीके से सफेद कुर्ता पजामा और सफेद टोपी में नजर आएंगे। पदयात्रा कुल 100 किलोमीटर की होगी जिसका आगामी 14 अगस्त तक चलेगी। यह पद यात्रा चिरमिरी नगर निगम के सभी वार्डो से होकर खड़गवां ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्र और मनेंद्रगढ़ विधानसभा अंतर्गत आने वाले नगर पंचायत झागराखंड से शहरी नगर पालिका क्षेत्र मनेंद्रगढ़ में इस पदयात्रा का समापन होगा।

पूर्व विधायक ध्रुवा बनाए गए जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर विधानसभा के पूर्व विधायक शंकर ध्रुवा जिला सहकारी बैंक मर्या. जगदलपुर अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेसजनों ने उन्हें बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। पूर्व विधायक ध्रुवा के नियुक्ति पर क्षेत्र के कांग्रेसजनों में उत्साह का माहौल है। उन्हें बधाई देने लगातार उनके गृह निवास में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का ताता लगा हुआ है। इस संबंध में उनके नियुक्ति पश्चात कांकेर विधायक शिशुपाल शोरी स्वयं उनके गृह निवास पहुंच कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष सुभद्रा सलाम, भानुप्रतापपुर विधायक मनोज मण्डावी, अंतागढ़ विधायक अनूप नाग, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी विजय ठाकुर, सुनील गोस्वामी, हेमंत ध्रुव, राजेश भास्कर, तरेन्द्र भण्डारी, रमाशंकर दर्रो, जनकनंदन कश्यप, पुरूषोत्तम पाटिल, जितेन्द्र सिंह ठाकुर, रोमनाथ जैन, मनोज जैन, चन्द्रकांत ध्रुवा, याशीन कराणी, रोहिदास शोरी, परदेशी निषाद, सियो पोटाई, कमला गुप्ता, सरोज सिंह ठाकुर, माण्डवी दीक्षित, कौशिल्या शोरी, आरती श्रीवास्तव, नीरा साहू, दीपिका श्रीवास्तव, रोशन आरा, सुमति नेताम, हेमनारायण गजबल्ला, नितिन पोटाई, महेन्द्र यादव, कासीम खान, संत मरकाम, दिनेश, कमोद हिरवानी, टकेश्वर सिन्हा, मनी सिन्हा, दुर्गेश ठाकुर, मुकेश ठक्कर, बिरेन्द्र ठाकुर, ठाकुरराम कश्यप, नरेन्द्र यादव, गफ्फार मेमन, प्यार सिंह मण्डावी, नरोत्तम पटेल, शिवभान ठाकुर, सुखलाल शोरी, शिवनारायण कुलदीप, लतेल यादव, चमन साहू, शिवांकित श्रीवास्तव, राजू दुबे, लोमेन्द्र यादव, योगेश राजपूत, सुमित राय, तारस सिन्हा, सुरेश नाग, विष्णु नेताम, अजय ठाकुर, महंत नरेटी सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

भंडारे के साथ अखंड रामायण का समापन

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। संकट मोचन हनुमान मंदिर दंतेवाड़ा में शनिवार से चल रहे अखंड रामायण पाठ का रविवार को विधिवत हवन, महाआरती और भव्य भंडारे के साथ पाठ संपन्न हुआ। प्रतिमाह होने वाले इस आयोजन में भक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रतजगा में भी भक्तों की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। विगत साल भर से मंदिर समिति द्वारा हनुमान मंदिर में प्रतिमाह अखंड रामायण का पाठ कराया जा रहा है। शनिवार को नौ ग्रह पूजन और कलश स्थापना के साथ अखंड रामायण का पाठ आरंभ किया गया। जिसका रविवार को विधिवत हवन-पूजन महाआरती व भव्य भंडारे के साथ पाठ संपन्न किया गया। इस बार भारी बारिश के बावजूद भक्तों की संख्या में कोई कमी नहीं आई, बल्कि रतजगा में भी बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। रामायण पाठ में क्षेत्र के अनेक लोगों ने पहुंचकर रात भर संगीतमय रामायण का पाठ किया। समापन के अवसर पर समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। वहीं मातृशक्ति द्वारा पूरे श्रावण मास में नियमित रामायण का पाठ किया जा रहा है। नगर की महिलाएं कई वर्षों से श्रावण मास में नित्य भजन कीर्तन व रामायण का पाठ करती हैं।

बांस की बनी राखियों से बहनें सजाएंगी भाइयों की कलाई

सुकमा/नवप्रदेश। सुकमा जिला पंचायत के विशेष आयोजन से क्षेत्र की आदिवासी महिलाओं को स्व रोजगार और स्वावलंबी बनाने के लिए ग्राम पंचायत गोंगाला में फु लवारी आजीविका केंद्र के माध्यम से आजीविका गतिविधियों का संचालन किया जा रहा हैं। जिसमें सुकमा जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र की महिलाओं को स्व सहायता समूह के रूप में विकसित कर हर्बल साबुन, सेनेट्री पैड, नेपकिन, मसाला जैसे इत्यादि उत्पादन कर रोजगार प्रदान किया गया है। जिला पंचायत के इस पहल से स्थानीय महिलाओं का आर्थिक विकास हो रहा है। महिलाओं को इस विभिन्न आजीविका की गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं। जिला प्रशासन केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया और आत्म निर्भर भारत का अभियान में सुकमा के आदिवासी महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर स्वालंबन की ओर पहला कदम हैं। जिसमे विशेष तौर पे पंखुड़ी सेवा समिति का अहम योगदान है। जो सुकमा की पूर्णतः ग्रामीण महिलाओं को फुलवारी आजीविका के सहयोग से राखी के त्यौहार के लिए स्थानीय बांस की उपलब्धता के आधार पर बांस निर्मित राखी का प्रशिक्षण दिया है। जिसमे गोंगाल की शबरी महिला स्व सहायता समूह ने करीब 1053 बांस निर्मित राखी तैयार किया हैं। जिससे महिलाओं ने सुकमा के स्थानीय में अब तक करीब 327 राखियां विक्रय कर 9810 रुपए का आर्थिक लाभ के साथ साथ महिलाओं के स्वरोजगार पर आत्मविश्वास में भी इजाफा हुआ। जिला पंचायत के इस योजना की सफलता अब सार्थक होता नजर आ रहा हैं। जिला मुख्याला में राखी की विक्रय के बाद अब राज्य भर के अन्य जिलों से राखी का मांग बड़ने लगा हैं। साथ जी जिला के सीमाप्रांत जिले में भी देसी पद्धति की राखी को लेकर दिलचस्पी दिखाई है। राखी की मांग बढ़ने से महिलाओं ने और भी बांस निर्मित राखियों का उत्पादन करना शुरू कर दिया है।

प्रथम पेज का शेष...

एजेंसियों की मिलीभगत...

में भी गर्मी में बहुतायत से धान होता है जिसे शासन की निगरानी से बचाकर तथा उसकी जांच चौकियों में सेटिंग कर छत्तीसगढ़ लाया जाता है। यह धान भी काफी कम कीमत में मिल जाता है और फिर बेचे गए धान के बदले यह कम कीमत पर आया हुआ धान से चावल बनाकर शासन को दे दिया जाता है। इस दौरान शासन की राशन दुकानों से बचा हुआ चावल भी काफी मात्रा में इकट्ठा हो जाता है जिसकी रिसाइकिलिंग भी की जाती है।

दुर्भाग्य से इस बार परिस्थितियां एकदम से विपरित हो गई है और जिन राज्यों से तस्करी होकर चावल आता था, उल्टे वहीं राज्य धान और चावल खरीद रहे है और उन्होंने छत्तीसगढ़ का धान भी ज्यादा कीमत पे खरीद लिया है। इसका कारण यह बताया जा रहा है कि युक्रेन और रुस के बीच चल रहे युद्ध और चीन और ताइबान के बीच चल रहे तनाव तथा श्रीलंका की बिगड़ी हुई परिस्थितियों के कारण चावल का निर्यात बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए भारतीय बाजारों में धान की बुरी तरह से किल्लत हो गई है। संभवतः यह पहली बार हो रहा है कि देश में सरकारी कीमतों से खुले बाजार में धान की कीमत ज्यादा मिल रही है।

अपने ही जाल में फंस चुके राइस मिलर्स अब शासन के एजेंसियों और राजनेताओं के जरिए इस परिस्थिति को टालने का प्रयास कर रहे है। वे चाह रहे है कि जिन राइस मिलरों पर चावल देना बकाया है उनका चावल भारतीय खाद्य निगम में देने के बजाय राज्य शासन के एजेंसियां, नागरिक आपूर्ति निगम और मार्कफेड ले लें और उन्हें मिलिंग हेतु अतिरिक्त समय भी प्रदान कर दे। बताया जा रहा है कि इस हेतु राइस मिलर्स बिचौलियों को 150 रुपए क्विंटल तक नजराना देने को तैयार है और यदि ऐसा होता है तो यह माना जाना चाहिए कि वह अपने प्रयास में सफल हो गए है।

इस संदर्भ में पूछे जाने पर मार्कफेड की एमडी किरण कौशल ने कहा कि राज्य शासन किसी भी हाल में एफसीआई को दिए जाने वाला चावल नहीं लेगा और जो राइस मिलर्स शासन का धान मिलिंग करके एफसीआई को नहीं देगा उसकी क्षतिपूर्ति में उस राइस मिलर्स से धान के बजाय चावल की कीमत वसूली जाएगी साथ ही उसे दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि भी जब्त कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी कलेक्टरों को उन राइस मिलरों की सूची भेज दी गई है जिन्होंने अब तक कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं किया है।

राज्य शासन के खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने कहा कि जिन मिलर्स ने चावल जमा नहीं किया है उनके पास 30 सितंबर तक समय है। इस अवधि में चावल जमा न होने पर शासन की कोई भी एजेंसी वैधानिक कार्रवाई करने में सक्षम है। उन्होंने इस मामले में किसी भी तरह कि भ्रष्टाचार से भी इनकार किया।

बिहार में जल्द टूटेगा ...

एक बार फिर महागठबंधन की सरकार बन सकती है जिसका जदयू भी हिस्सा होगी. हालांकि, नई सरकार की तस्वीर कैसी होगी इस पर मंथन चल रहा है.

बिहार में बना रहेगा गठबंधन : हालांकि, गठबंधन टूटेगा या बना रहेगा इस पर कोई भी नेता खुलकर नहीं बोल रहा है. लेकिन रविवार को जब जेडीयू के राष्ट्रीय ललन सिंह ने आरसीपी सिंह प्रकरण पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी तो उन्होंने ये जरूर कहा था कि जेडीयू मोदी कैबिनेट में शामिल नहीं होगी लेकिन बिहार में दोनों दलों का गठबंधन बना रहेगा.

बिहार विधानसभा की मौजूदा स्थिति : बिहार में अभी राष्ट्रीय जनता दल-80, बीजेपी-77, जेडीयू-45, कांग्रेस-19, लेफ्ट-16, एचएमए 4 और निर्दलीय के 1 विधायक हैं. इसके अलावा एक सीट खाली है. राज्य में बहुमत के लिए 122 सीट चाहिए. ऐसे में अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो आरजेडी, जेडीयू, कांग्रेस, लेफ्ट और निर्दलीय मिलकर कुल 160 के आंकड़े पर पहुंच जाएंगे.

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. वि/यां संभाग रायपुर छ.ग.

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-4150/NIT-19/2022-2023/वलेलि — दिनांक 04/08/2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
19 T0212	Providing E/F work for SR,MOW, Deposit, OW and OW at Panchshil Nagar section under PWD E/M Workshop Subdivision, Raipur (C.G.) (Zonal work) प्रथम आमंत्रण	16.50
19 T0213	Providing E/F work for SR,MOW, Deposit, OW and OW at Irrigation Colony section under PWD E/M Workshop subdivision, Raipur (C.G.) (Zonal work) प्रथम आमंत्रण	17.50
19 T0214	Rewinding & supply of Celling fan/ex.fan/Mono block pump under Collectorate section, Raipur (C.G.) प्रथम आमंत्रण	6.00
19 T0215	E/F work (Zonal) under Deposit/SR for Civil Court section DKS (M) sbudivision, Raipur (C.G.) प्रथम आमंत्रण	14.00
19 T0216	E/F work (Zonal) under OM/Deposit/SR for Residential Building under DKS (M) subdivision, Raipur (C.G.) प्रथम आमंत्रण	15.00
19 T0217	E/F work (Zonal) under OM/Deposit/SR for Non Residential Building under DKS (M) subdivision, Raipur (C.G.) प्रथम आमंत्रण	15.00
19 T0219	Providing annual maintenance and repairing work of Soler Water Geyser installed at Resi. Building of Sec. 17, Newa Raipur (C.G.) (App.Make. Cosmo/Eco) प्रथम आमंत्रण	11.00
19 T0221	धमतरी में न्यायिक अधिकारियों के लिए 2 नग एफ-टाईप शासकीय आवासगृह में विद्युतीकरण कार्य प्रथम आमंत्रण	5.54
19 T0222	Supply and installation of Water Cooler at various Wards/OPD of Dr. B.R. Ambedkar Hospital under PWD (E/M)(M) subdivision, Raipur (C.G.) प्रथम आमंत्रण	10.00
19 T0223	Maintenance and repairing of AC unit aplit/tower/cassette unit under DKS (M) subdivision, Raipur (C.G.) प्रथम आमंत्रण	5.00
19 T0224	SITC of electrical home appliance for Hon'ble Minister/ Sansadiya sachiv Bungalow under DKS (M) subdivision, Raipur (C.G.) प्रथम आमंत्रण	10.00
19 T0225	Providing annual maintenance and repairing work of AC System Installed at Building of Sec. 17, Nawa Raipur under Vidhansabha Subdivision, Raipur (C.G.) (App.Make-Daikin/Voltas/ Bluester) प्रथम आमंत्रण	6.00
19 T0226	Providing annual maintenance and repairing work of Solor Water Getser installed at New Rest House, Civil line under Vidhansabha Subdivision, Raipur (C.G.) (App.Make-Cosmo/Ecp) प्रथम आमंत्रण	6.00

नोट :- निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 17/08/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अँतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।
शर्तें- 1) उपरोक्त कार्यों के आबंटन प्राप्त होने पर ही नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जावेगी।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि/यां संभाग रायपुर छ.ग.

जी-93488/8

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा, मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सरोरा रोड, उरला इंडस्ट्रियल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर वर्मा एग्जोटीका फ्लैट नंबर 103, सर्किट हाउस के सामने बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- प्रमोद शर्मा* प्रबंध संपादक- चन्द्रशेखर धोटे, फोन नंबर : 8120029029-9406245514, डाक पंजीयन क्रमांक G-2-112/CG/BPL/108/2020-22

जंगल है तो आदिवासी है,
और आदिवासी है तभी जंगल है
कला, जीवन शैली, वेशभूषा और संस्कृति विधिताओं को
समेटे हुए आदिवासी भाई बहनों सहित समस्त जिलेवासियों को
9 अगस्त
विश्व आदिवासी दिवस
हार्दिक शुभकामनाएँ
रानी साहिबा
आकांक्षा सिंह
प्रदेश संगठन सचिव आम आदमी पार्टी छ.ग.
कार्यक्रम
जिला स्तरीय विशाल कार्यक्रम
स्थान - हाई स्कूल मैदान स. लोहारा, जिला - कबीरधाम
9 अगस्त 2022 दिन - मंगलवार
राजा खड्गराज सिंह
प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष गोंडवाना गणतंत्र पार्टी
एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष-स. लोहारा, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

जंगल है तो आदिवासी है,
और आदिवासी है तभी जंगल है
कला, जीवन शैली, वेशभूषा और संस्कृति विधिताओं को
समेटे हुए आदिवासी भाई बहनों सहित समस्त प्रदेशवासियों को
9 अगस्त
विश्व आदिवासी दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं...
शिशुपाल शोरी
विधायक कांकेर
एवं संसदीय सचिव छ.ग. शासन

जय जोहार जय छत्तीसगढ़

आदिवासियों को मिल रहे अधिकार
विश्वास के साथ विकास गढ़ रही छत्तीसगढ़ सरकार

जंगल व जमीन पर अधिकार

- लोहंडीगुड़ा के आदिवासी किसानों की 4200 एकड़ अधिग्रहित भूमि वापस
- वनाश्रितों को मिला 96 लाख एकड़ जंगल जमीन व उनके संसाधनों पर अधिकार

अंतिम छोर तक शिक्षा

- बस्तर के नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में डेढ़ दशक से बंद 300 स्कूल फिर संचालित

दुर्गम क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं

- आदिवासी दुर्गम क्षेत्रों में निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं
- बस्तर में कुपोषण के मामलों, मलेरिया के प्रकोप और मृत्यु दर में भारी गिरावट

आर्थिक सशक्तीकरण

- 7 से बढ़ाकर 65 लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीदी
- तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 2500 रुपए से बढ़ाकर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा

न्याय के अवसर

- आदिवासियों के खिलाफ चल रहे प्रकरणों के लिए गठित कमेटी की समीक्षा के बाद 944 आदिवासियों की रिहाई

विश्वमंच पर आदि-रंग

- प्रतिवर्ष राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन
- आदिवासी आस्था के चिन्ह एवं प्रतीक, देवगुडियों का विकास एवं संरक्षण

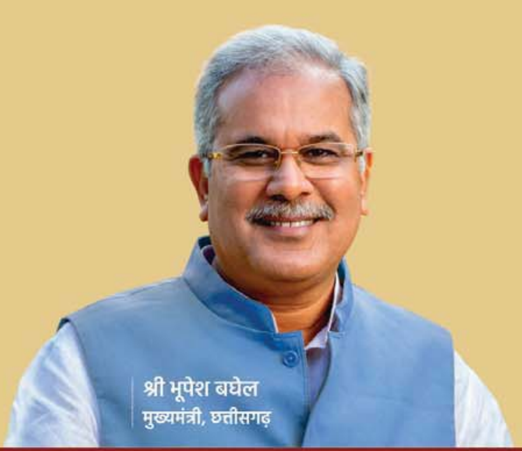

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

9 अगस्त

विश्व आदिवासी दिवस

की शुभकामनाएं

आदिवासी अस्मिता और संस्कृति के संरक्षण में अग्रणी

संवाद : 33471